RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्ष: 01, अंक: 12, पृष्ठ: 08 infodivyadelhi@gmail.com

शुक्रवार, 19 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री | सूर्योदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

हाईकोर्ट पहुंचे मालेगांव विस्फोट के पीड़ित परिजन

मुंबई

बॉम्बे उच्च न्यायालय ने गुरुवार को साल 2008 के मालेगांव विस्फोट के पीड़ित परिजनों की याचिका पर एनआईए और इस मामले में बरी किए गए सातों लोगों को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और जस्टिस गौतम अंखड़ की पीठ ने अभियोजन पक्ष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और महाराष्ट्र सरकार को भी नोटिस जारी किए। अपील पर सुनवाई छह सप्ताह बाद निर्धारित की गई है।

'दोषपूर्ण जांच आरोपियों को रिहा करने का आधार नहीं हो सकती'

मालेगांव विस्फोट में मारे गए छह लोगों के परिजनों ने आरोपियों को बरी किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद राजपुरोहित सहित मामले के सात आरोपियों को बरी किए जाने के अदालत के फैसले को चुनौती दी गई है। पिछले सप्ताह दायर की गई याचिका में दावा किया गया है कि दोषपूर्ण जांच या जांच में खामियां आरोपियों को बरी करने का आधार नहीं हो सकतीं। याचिका में यह भी तर्क दिया गया है कि साजिश गुप्त रूप से रची गई थी और इसलिए इसका प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हो सकता।

मराठा आरक्षण पर दाखिल याचिकाएं निराधार: हाईकोर्ट

मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को साफ किया कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने के फैसले के खिलाफ दाखिल जनहित याचिकाएं सुनवाई योग्य नहीं हैं। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता असली पीड़ित पक्ष नहीं हैं, बल्कि ओबीसी वर्ग असली पीड़ से आने वाले लोगों ने इस फैसले को चुनौती दी है, जिनकी याचिकाओं पर 22 सितंबर को सुनवाई होगी।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंकलाड की पीठ ने कहा कि इस चरण पर दाखिल हुई ये पीआईएल्स पूरी तरह गलत और निराधार हैं।

वोट चोरों को बचा रहा चुनाव आयोग: राहुल गांधी

प्रक्रिया हाईजैक कर वोट काटे जा रहे, निशाने पर दलित और ओबीसी, राहुल ने ज्ञानेश कुमार को भी घेरा

'वोट ऑनलाइन डिलीट नहीं किए जा सकते, सभी आरोप बेबुनियाद', राहुल को चुनाव आयोग का जवाब

नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने चुनावी धांधली के आरोपों को और धार दी। राहुल गांधी ने कहा, 'सबसे पहले, यह हाइड्रोजन बम नहीं है, हाइड्रोजन बम आने वाला है। यह इस देश के युवाओं को यह दिखाने और स्थापित करने में एक और मील का पत्थर है कि चुनावों में किस तरह धांधली की जा रही है।' उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त उन लोगों को बचा रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। वे उन्हें बचा रहे हैं, जिन्होंने वोट चोरी किया है। राहुल गांधी ने कहा, 'कर्नाटक में अलंद एक निर्वाचन क्षेत्र है। किसी ने 6018 वोटों को हटाने की कोशिश की। हमें नहीं पता कि 2023 के चुनाव में अलंद में कुल कितने वोट हटाए गए। ये संख्या 6,018 से कहीं ज्यादा है, लेकिन कोई उन 6018 वोटों को हटाते हुए पकड़ा गया। यह संयोग से पकड़ा गया। हुआ यूं कि वहां के बूथ लेवल अधिकारी ने देखा कि उसके चाचा का वोट हटा दिया गया है, तो उसने जांच की कि उसके चाचा का वोट किसने हटाया और उसने पाया कि वोट हटाने वाला एक पड़ोसी था। उसने अपने पड़ोसी से पूछा, लेकिन उन्होंने कहा कि मैंने कोई वोट नहीं हटाया। न तो वोट हटाने वाले व्यक्ति को और न ही जिसका वोट हटाया गया था, उसे पता था।

'सॉफ्टवेयर का किया जा रहा इस्तेमाल'

राहुल ने कहा कि किसी और ताकत ने इस प्रक्रिया को हाईजैक कर लिया और वोट हटा दिया। वोटों को हटाने का काम किसी व्यक्ति के जरिए नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके केंद्रीकृत तरीके से किया गया।', अलंद में मतदाताओं के नाम पर 6018 आवेदन दाखिल किए गए। जिन लोगों ने ये आवेदन दाखिल किए, उन्होंने वास्तव में इन्हें कभी दाखिल ही नहीं किया। यह आवेदन एक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके स्वचालित रूप से दाखिल किया गया। कर्नाटक के बाहर विभिन्न राज्यों के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल अलंद में नंबरों को हटाने के लिए किया गया और यह कांग्रेस के मतदाताओं को निशाना बनाकर किया गया। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अदालत या किसी उच्चतर एजेंसी का रुख करेंगे तो राहुल गांधी ने कहा, 'सच कहूं तो, मैं यहां जो कर रहा हूं।

'वोट ऑनलाइन डिलीट नहीं हो सकते'

नई दिल्ली

भारत के चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से हाल ही में संपन्न प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए मतदाताओं के नाम हटाने के आरोपों को गलत और निराधार बताया है।

चुनाव आयोग ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है। साथ ही आयोग ने इस बात पर जोर दिया है कि जनता की ओर से ऑनलाइन कोई भी वोट नहीं हटाया जा सकता। हालांकि, चुनाव आयोग ने स्वीकार किया कि कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम हटाने के कुछ असफल प्रयास किए गए थे और मामले की जांच के लिए चुनाव आयोग ने खुद एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

राहुल संविधान-संविधान चिल्लाते हैं, सभी बम ढेर हो जाएंगे: भाजपा

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, 'क्या राहुल गांधी संविधान को समझते हैं? वह सुप्रीम कोर्ट गए। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश जारी किए। क्या उन्होंने कोई दांव लगाया? वह कानून या सुप्रीम कोर्ट के निदेशों को नहीं समझते हैं। वह केवल 'संविधान, संविधान' चिल्लाते हैं। मुख्य बात स्पष्ट है। अगर राहुल गांधी को वोट नहीं मिलते हैं, तो हम

क्या कर सकते हैं? देश उनके कार्यों को कभी नहीं भूलेगा। वह विपक्ष के नेता हैं। उनके कुछ मूल्य होने चाहिए। वह देश के मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं। जनता उन्हें फिर से करारा जवाब देगी। उनके सभी बम धराशायी हो जाएंगे। वह किसी पर भरोसा नहीं करते। मैं इसकी निंदा करता हूं।'

आपको बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने चुनावी धांधली के आरोपों को और धार दी। राहुल गांधी ने कहा, 'सबसे पहले, यह हाइड्रोजन बम नहीं है, हाइड्रोजन बम आने वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने की नेपाल की पीएम सुशीला कार्की से बात

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने शांति और स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर ट्वीट किया, 'नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।'

संयुक्त कमांडर्स सम्मेलन में तय किया भविष्य का रोडमैप

सीडीएस चौहान बोले- भविष्य के लिए तैयार हो रही भारतीय सेनाएं, लगातार जारी रहेंगे सुधार

कोलकाता

कोलकाता में आयोजित सशस्त्र बलों का तीन दिवसीय 16वां संयुक्त कमांडर सम्मेलन बुधवार को संपन्न हो गया। यहां सेना की पूर्वी कमान मुख्यालय विजय दुर्ग में आयोजित सम्मेलन में सशस्त्र बलों के भविष्य का रोडमैप तैयार किया गया और तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता को बढ़ाने पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 सितंबर को इस सम्मेलन का उद्घाटन किया था। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने समापन संबोधन में कहा कि भारतीय सेनाएं हमेशा चुस्त, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार रहने के लिए लगातार सुधार करती रहेंगी। सुधारों को एक सतत प्रक्रिया के रूप में संस्थागत बनाना जरूरी है, ताकि जटिल वैश्विक माहौल में आने वाली चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के निदेशों के अनुरूप सुधारों की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई

है। सुधारों और तकनीकी आत्मनिर्भरता से ही भारतीय सेनाएं भविष्य की जंगों के लिए पूरी तरह सक्षम होंगी। सीडीएस ने पिछले दो वर्षों के प्रमुख सुधारों और अब तक उठाए गए कदमों की समीक्षा की। सम्मेलन में अंतिम दिन का फोकस-'उभरते खतरे और भविष्य की चुनौतियां'था। सीडीएस ने सुधारों का वर्ष के तहत तैयार की गई योजनाओं का विस्तृत ब्यौरा दिया। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, सम्मेलन में तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल, संयुक्तता और अंतर-सेवा सहयोग पर जोर दिया गया। खासकर अंतरिक्ष, साइबर, सूचना और विशेष अभियानों जैसे क्षेत्रों में संस्थागत सुधार की जरूरत रेखांकित की गई।

पाक-सऊदी अरब की डिफेंस डील: भारत समझौते के असर को परखेगा

नई दिल्ली

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच एक रणनीतिक रक्षा समझौते की खबर ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। भारत ने इस घटनाक्रम पर तीखी नजर रखी है और इसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम मान रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत इस समझौते के असर को गहराई से परखेगा। यह समझौता दोनों देशों के बीच पुराने रिश्तों को औपचारिक रूप देता है, मगर इसके क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों को भारत बारीकी से देख रहा है।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "हमने सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर की खबरें देखी हैं। सरकार को पता था कि यह घटनाक्रम, जो दोनों देशों के बीच एक दीर्घकालिक व्यवस्था को औपचारिक रूप देता है, विचाराधीन था।" हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर इस घटनाक्रम के प्रभावों का अध्ययन करेंगे। सरकार भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा और सभी क्षेत्रों में व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जायसवाल ने साफ किया कि भारत सरकार अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस समझौते की खबर के बाद भारत ने इसे गंभीरता से लिया है और इसके हर पहलू की पड़ताल करेगा।

भारत ने हमेशा से अपनी सुरक्षा को लेकर सजगता दिखाई है।

बीजापुर और गढ़चिरौली में चार माओवादी ढेर, 12 नक्सलियों का सरेंडर

जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ हुई अलग-अलग मुठभेड़ में चार माओवादी मारे गए हैं। बीजापुर में बुधवार दोपहर से चल रही मुठभेड़ में दो माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं।

मौके से 303 राइफल, बीजीएल लांचर सहित विस्फोटक सामग्री भी जब्त किए गए हैं। गढ़चिरौली क्षेत्र में भी मुठभेड़ के बाद दो माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। पुलिस चारों की पहचान में जुटी है।

उत्तराखंड में बच्चों में ठिगनापन घटा, पर चमोली-पौड़ी में बढ़ा

एम्स के विशेषज्ञ दोनों जिलों में शोध कर कारणों को स्पष्ट करना चाहते हैं

ऋषिकेश

उत्तराखंड में जहां पांच साल से कम उम्र के बच्चों में ठिगनापन तेजी से घट रहा है। वहीं पौड़ी और चमोली जनपद के बच्चों का कद छोटा हो रहा है। यह खुलासा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) में हुआ है।

एम्स के विशेषज्ञ दोनों जिलों में शोध कर कारणों को स्पष्ट करना चाहते हैं। इसके लिए राज्य सरकार से सहयोग मांगा है। पांच साल से कम उम्र के बच्चों में ठिगनापन घटाने में उत्तराखंड ने बेहतर प्रदर्शन किया है। एम्स के सामुदायिक चिकित्सा विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. वर्तिका सक्सेना ने बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़ों अनुसार वर्ष 2005 में उत्तराखंड में पांच साल से कम उम्र के 44 फीसदी बच्चे ठिगनापन के शिकार थे जबकि 2021 में यह आंकड़ा 27 फीसदी पर पहुंच गया है। उत्तराखंड में ठिगनापन में समस्या में घटाव की दर सात फीसदी है जबकि पूरे देश में उत्तराखंड ठिगनापन की समस्या में 8वें स्थान पर है। प्रो. वर्तिका ने बताया कि पूरे प्रदेश में पांच साल के कम उम्र के बच्चों में ठिगनापन तेजी से कम हो रहा है लेकिन पौड़ी व चमोली जिलों के बच्चों में पिछले पांच साल में बढ़ रहा है जो चिंताजनक है। चमोली के बच्चों में दशमलव 4 (.4) और पौड़ी के बच्चों में 7.1 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई है।

अहमदाबाद विमान हादसे में पायलट सुमित के पिता ने नई जांच की मांग की

मुंबई

नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) के महानिदेशालय को 29 अगस्त को लिखे पत्र में दिवंगत कैप्टन सुमित सभरवाल के पिता 91 वर्षीय पुष्कराज सभरवाल ने एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ171 दुर्घटना की औपचारिक जांच की मांग की है। सुमित एअर इंडिया ड्रीमलाइनर के पायलटों में से एक थे। अधिकारियों पर चुनिंदा हिस्सों को लीक करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि मीडिया अटकलों से बेटे की प्रतिष्ठा धूमिल हुई है।

12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें 241 यात्रियों सहित कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा गेहूं और चावल का सरकारी भंडार, सेब की आपूर्ति में आ रही परेशानी

मुंबई

सितंबर की शुरूआत में सरकारी गोदामों में गेहूं और चावल का भंडार रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है। सरकारी डाटा के अनुसार, एक सितंबर को गोदामों में 4.82 करोड़ मीट्रिक टन धान का भंडार था। यह एक जुलाई को निर्धारित किए गए सरकारी लक्ष्य 1.35 मीट्रिक टन का करीब चार गुना और पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 14 प्रतिशत ज्यादा है।

गेहूं का भंडार चार वर्ष के उच्च स्तर पर पहुंचा

इसी प्रकार गेहूं का भंडार चार वर्ष के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। डाटा के अनुसार, एक सितंबर को 3.33 करोड़ टन गेहूं सरकारी गोदामों में उपलब्ध था। यह सरकारी लक्ष्य 2.76 करोड़ टन के मुकाबले काफी ज्यादा है। चावल के रिकॉर्ड भंडार से भारत ज्यादा मात्रा में इसका निर्यात कर सकेगा। वहीं, बेहतर गेहूं भंडार सरकार को इस वर्ष के अंत में खुले बाजार में बिक्री के माध्यम से संभावित मूल्य वृद्धि को रोकने की गुंजाइश देगा।

एक वैश्विक ट्रेडिंग फर्म के दिल्ली स्थित डीलर के मुताबिक, चावल का निर्यात बढ़ रहा है।

बिहार चुनाव: शाह ने बनाया विपक्ष को घेरने का प्लान

कई जिलों में क्षेत्रीय सम्मेलन कर अमित शाह न केवल कार्यकर्ताओं में जोश भरना चाहते हैं, बल्कि उम्मीदवारी को लेकर ही निर्णय करने वाले हैं

पटना
प्रदेश भाजपा की चुनावी गाड़ी अब रफ्तार पकड़ने लगी है। गृह मंत्री अमित शाह पूरे बिहार को साधने निकल पड़े हैं। अपनी इस रणनीत के तहत पूरे बिहार को कई जोन में बांटकर समीक्षात्मक यात्रा की शुरूआत कर विपक्ष की धड़कन तेज कर दी है। इन क्षेत्रीय सम्मेलनों के जरिए कार्यकर्ताओं में उत्साह भरने के रस्ते उतर चुके अमित शाह डेहरी और बेगूसराय की धरती से अपनी इस नई रणनीति का शंखनाद कर विपक्ष के आगे नई चुनौती का आगाज तो कर दिया है। पर यह कोई आखरी नहीं बल्कि भाजपा एक-एक कर पूरे बिहार में क्षेत्रीय सम्मेलन कर विपक्ष को मात देने की रणनीति बनाने जा रही है।

दिल्ली की बैठक में लिया था निर्णय
बिहार विधानसभा चुनाव 2025 भारतीय जनता पार्टी के लिए इस बार अमित शाह के लिए कुछ खास बन गया है। वजह भी है कि गृह मंत्री अमित शाह ने इस बार सरकार बनाने की जिम्मेदारी स्वयं स्वीकार कर ली है।
कहा जा रहा है कि हाल ही में दिल्ली में हुई बैठक में एक रणनीति के तहत अमित शाह ने आगामी कई बैठकों को राजधानी के बजाए क्षेत्रों में करने की सलाह दी थी। डेहरी और बेगूसराय में हो रहे क्षेत्रीय सम्मेलन इसकी बानगी भर है। अभी और कई जिलों में क्षेत्रीय सम्मेलन कर अमित शाह न केवल कार्यकर्ताओं में जोश भरना चाहते हैं, बल्कि उम्मीदवारी को लेकर ही अंतिम निर्णय करने वाले हैं। डेहरी की समीक्षात्मक बैठक में मगध और शाहाबाद की तमाम विधानसभा सीटों का फीड बैक लिया जायेगा। बेगूसराय की बैठक में मुंगेर और बेगूसराय जिले की तमाम विधानसभा की चर्चा होगी। गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में 27 तारीख को भागलपुर, कटिहार और सीमांचल के विधान सीटों को लेकर समीक्षात्मक बैठक करेंगे।

अमृतसर में पुलिस और बदमाशों के बीच चलीं ताबड़तोड़ गोलियां

अमृतसर
अमृतसर देहात के ब्यास इलाके में वीरवार की दोपहर पुलिस और गैंगस्टरों में जमकर गोलियां चली। जानकारी के अनुसार दोनों तरफ से करीब 20 से 22 राउंड फायर किए गए। विदेश बैठे कुख्यात गैंगस्टर जीवन फौजी के दो गुर्गे संदीप जानी और और हैरी बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। एसएसपी मनिंदर सिंह और डीएसपी गुरिंदर पाल सिंह नागरा की अगुवाही में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि ब्यास क्षेत्र में जिला कपूरथला के काला सांगा गांव के बदमाश संदीप जानी, हैरी और अमन छुप कर बैठे हैं। तीनों बदमाश विदेश बैठे अपने आका गैंगस्टर जीवन फौजी के इशारे पर पंजाब भर में रंगदारियां मांग रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आशंका है कि तीनों के खिलाफ माझा क्षेत्र में रंगदारी वसूलने हत्या और हत्या प्रयास के कई मामले दर्ज हैं। घायल हुए दोनों बदमाशों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। एक को गिरफ्तार कर सीआईए स्टाफ ले जाया गया है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में मजीठिया की याचिका पर सुनवाई

चंडीगढ़
अकाली दल के वरिष्ठ नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में नियमित जमानत की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। हाईकोर्ट ने सुनवाई को 14 अक्टूबर तक स्थगित कर दी है। जिला अदालत में याचिका खारिज होने के बाद मजीठिया ने हाई कोर्ट पहुंचे हैं। हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को 14 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है, साथ ही इस मामले की स्टेटस रिपोर्ट भी पेश करने के निर्देश दिए हैं।
मजीठिया, जो 6 जुलाई से नई नाभा जेल में बंद हैं, को पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने 25 जून को अमृतसर से गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है। मजीठिया ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए हाईकोर्ट में राहत की गुहार लगाई है। याचिका में उन्होंने दावा किया है कि उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी राजनीतिक प्रतिशोध का परिणाम है। उन्होंने इसे सरकार द्वारा उन्हें बदनाम करने की साजिश करार दिया।

ईवीएम पर उम्मीदवार की कलर फोटो, वोटर्स को नहीं होगा कन्फ्यूजन

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार चुनाव से पहले एक नई गाइडलाइन जारी की है। इसकी शुरूआत बिहार विधानसभा चुनावों से होगी। चुनाव आयोग के मुताबिक, वोटर्स की सुविधा और चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ईवीएम (ईवीएम) बैलेट पेपर से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। यह बदलाव कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल्स, 1961 के नियम 49बी के तहत किए गए हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों से ईवीएम में उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें होंगी। अब से ईवीएम पर उम्मीदवार का चेहरा फोटो के तीन-चौथाई हिस्से पर होगा, जिससे वोटर्स को उम्मीदवार की पहचान करने में परेशानी न हो।

टीईटी मामले में शिक्षकों का पक्ष सही से रखने की मांग, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई है पुनर्विचार याचिका

लखनऊ
कक्षा एक से आठवीं तक शिक्षक बने रहने के लिए टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर दी है। अब शिक्षक संगठनों की ओर से शिक्षा विभाग को लिखे पत्र में यह मांग की है कि गई है कि सरकार इस मुद्दे पर सही से पक्ष रखे, क्योंकि आदेश के बाद से कई तरह की भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों का कहना है कि इस फैसले से प्रदेश के करीब 1.5 लाख और देशभर के लगभग दस लाख शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। ये वे शिक्षक हैं जिन्हें शिक्षा अधिकार कानून (आरटीई एक्ट) के तहत 23 अगस्त 2010 को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीईटी) की अधिसूचना के आधार पर नियुक्त किया गया था। उस अधिसूचना में स्पष्ट किया गया था कि पहले से नियुक्त शिक्षकों को टीईटी करने की आवश्यकता नहीं है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी ने कहा कि इंटरनेट मीडिया में यह गलत प्रचारित किया जा रहा है कि केंद्र सरकार ने 2017 में धारा 23(2) में संशोधन कर सभी शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य कर दिया है। दरअसल, यह संशोधन केवल अप्रशिक्षित शिक्षकों को प्रशिक्षण पूरा करने के लिए समय-सीमा बढ़ाने के लिए किया गया था, न कि पहले से नियुक्त शिक्षकों पर लागू करने के लिए।

पटना में नीतीश कुमार से मिले शाह, बंद कमरे में हुई चुनावी चर्चा

पटना
बिहार में होने वाले विधानसभा को लेकर भाजपा की तैयारी को धार देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पटना पहुंच गए हैं। अमित शाह रोहतास में शाहबाद और मगध के 20 जिलों के भाजपा नेताओं और कार्यकताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करने वाले हैं। इससे पहले अमित शाह के स्वागत को लेकर डालमियानगर खेल मैदान से कैनाल रोड तक मार्ग को तोरण द्वारों और बैनर पोस्टरों से सजाया गया है। साथ ही सुरक्षा को लेकर

भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। बिहार दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में 30 मिनट तक बातचीत हुई। डेहरी की समीक्षात्मक बैठक में मगध और शाहाबाद की तमाम विधानसभा सीटों का फीड बैक लिया जायेगा। बेगूसराय की बैठक में मुंगेर और बेगूसराय जिले की तमाम विधानसभा की चर्चा होगी। गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में 27 तारीख को भागलपुर, कटिहार और सीमांचल के विधान सीटों को लेकर समीक्षात्मक बैठक करेंगे। इस बैठक में 2020 के चुनाव परिणाम को सामने रख कर अमित शाह समस्त सीटों का मूल्यांकन करेंगे।

अचानक सड़क पर आ गया मलबा और दलदल में फंस गए वाहन, मुश्किल से बची जान

कुल्लू
हिमाचल प्रदेश के जिला कुल्लू का दलदल में फंसे वाहनों का एक वीडियो तेजी से इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। सड़क पर आए मलबे ने दो वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। मणिकर्ण घाटी की हजारों की आबादी को जोड़ने वाली भुंतर-मणिकर्ण सड़क पर जछनी नाले से आए मलबे में ये वाहन फंस गए। चालक भी अंदर ही फंस गया था, मलबा आने के कारण गाड़ी का दरवाजा नहीं खुल पा रहा था। चालक ने दूसरी साइड से निकलकर अपनी जान बचाई। इसके बाद अन्य वाहन से खींचकर किसी तरह से वाहन को दलदल से निकाला।

लेकिन इस दौरान गाड़ी को भारी नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों के लिए भी यह मलबा परेशानी का कारण बन गया है। बड़ी मुश्किल से इन दोनों वाहनों को लोगों ने सुरक्षित निकाला गया। इस दौरान एक कार का बंपर आगे से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है।

हटाते ही फिर सड़क पर आ गया मलबा
कुछ समय तक मलबे में पिकअप फंसने से वाहनों की आवाजाही ठप रही। इसके बाद मशीनरी से मलबा हटाया गया तो थोड़ी देर के बाद फिर से मलबा सड़क पर आ गया। एक के बाद एक मलबा आने से लोग परेशान हो गए हैं।
प्रशासन ने तैनात की मशीनरी
एडीसी कुल्लू अश्वनी कुमार ने कहा कि इस बार आपदा से कई लोगों का नुकसान हुआ है। विभागों को सड़क की बहाली के निर्देश जारी किए गए हैं। जच्छी में आ रहे दलदल का समाधान निकाला जाएगा।

'थैंक्यू योगी जी...' दिशा पाटनी के पिता ने सीएम का जताया आभार, एनकाउंटर के बाद घर के बाहर सुरक्षा चाक-चौबंद

बरेली
बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग करने वाले दोनों शूटर्स मुठभेड़ में ढेर हो गए। इसके बाद एक्ट्रेस के पिता और रिटायर्ड डीएसपी जगदीश सिंह पाटनी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ से फोन पर बात की और उनका आभार व्यक्त किया। इससे पहले सीएम ने उन्हें आश्वासन दिया था कि अपराधियों को पकड़कर सख्त कार्रवाई होगी। दिशा पाटनी के पिता ने सीएम योगी आदित्यनाथ से कहा कि उत्तर प्रदेश की पुलिस भयमुक्त समाज की परिकल्पना को साकार कर रही है। इससे पहले सीएम ने उन्हें फोन पर कहा था कि अपराधियों को

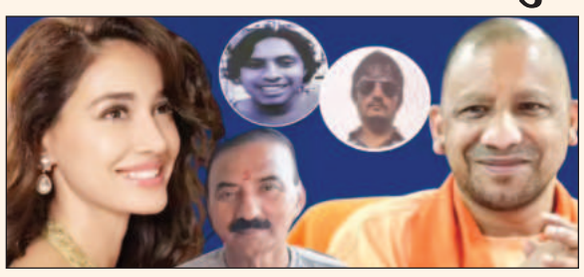

कहीं से भी ढूंढकर निकाला जाएगा और सख्त कार्रवाई होगी। और बुधवार को ही वादा पूरा हो गया। एसटीएफ ने काफी कम समय में बदमाशों को पकड़ा और ढेर कर दिया। इसलिए वो उनके आभारी हैं।
बदमाशों के सीने में लगी 2-2 गोलियां
पुलिस सूत्रों के अनुसार, बदमाश अरुण और रविंद्र को एनकाउंटर में सीने में दो-दो गोलियां लगीं। एक के सीने से गोली आरपार हो गई। गाजियाबाद में दोनों के शवों का पोस्टमार्टम होगा। वीडियोग्राफी होगी। परिवार को सूचना दी गई थी, लेकिन कोई नहीं पहुंचा।
दिशा के घर के बाहर बढ़ाई गई सुरक्षा
दूसरी तरफ दिशा के घर के बाहर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। आसपास के इलाके को भी छावनी में तब्दील कर दिया गया है। कॉलोनी के एंट्री गेट लोहे का गेट लग गया है। पुलिस की नजर हर घर पर भी है। 11 सितंबर को रामपुर के होटल में खाना खाने और आराम करने के बाद दोनों देर रात को दिशा पाटनी के घर पहुंचे और फायरिंग कर दी। इसके बाद एक-एक लाख के ईनामी बदमाश अरुण और रविंद्र एक चाय की दुकान पर करीब 22 मिनट रुके। रविंद्र ने चेहरा कहीं नहीं छिपाया था, इसलिए पुलिस को उसके चेहरे और लाल जूतों के कारण ट्रेस करना आसान रहा।

पंजाब: बीजेपी में शुरू किया आंदोलन, 12 हजार करोड़ के बाढ़ राहत फंड के दुरुपयोग का मांगा हिसाब

भाजपा का पंजाब सरकार के खिलाफ प्रदर्शन
12 हजार करोड़ के हिसाब की मांग
मुख्यमंत्री पर जनता से उदासीनता का आरोप

नथाना/गोनियाना मंडी
पंजाब सरकार से 12 हजार करोड़ रुपये का हिसाब लेने के लिए भारतीय जनता पार्टी की ओर से पूरे राज्य में हलका स्तर पर रोष प्रदर्शनों की श्रृंखला शुरू की गई है। इसी कड़ी के तहत गोनियाना मंडी में जिला प्रधान सरूप चंद सिंगला के निर्देश पर भुच्चो हलके के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए रोष प्रदर्शन किया। इस अवसर पर भाजपा एससी मोर्चा जिला प्रधान बलदेव सिंह आकलिया ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार ने पंजाब सरकार को बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए 12 हजार करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन पंजाब सरकार ने इस राशि को आपदा प्रबंधन में खर्च करने की बजाय विज्ञापनबाजी और दिल्ली के नेताओं को खुश करने में खर्च कर दिया। यह पंजाब की जनता के साथ सीधा धोखा है जिसे भाजपा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। जिला बठिंडा के उपप्रधान जतिंदर गोगी ने कहा कि जब पंजाब की जनता बाढ़ की मार झेल रही थी, उस समय मुख्यमंत्री भगवंत मान लोगों के दुख-दर्द बांटने की बजाय अस्पताल में भर्ती हो गए। इससे साफ पता चलता है कि वह जनता के साथ कोई हमदर्दी नहीं रखते और केवल वोटों के लिए दिखावा करते हैं। मंडल प्रधान संदीप कुमार बिंटा ने कार्यकताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि अगर पंजाब की जनता निकम्मी भगवंत मान सरकार से छुटकारा चाहती है तो 2027 में भाजपा का साथ दे। लखवीर सिंह, गुरप्यार सिंह, राजविंदर सिंह, सिकंदर सिंह, स्वर्ण सिंह, तेजी, गुरप्रीत सिंह सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धमाका करने आए थे, ड्रामा करके गए राहुल गांधी: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली
लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के इंदिरा भवन ऑडिटोरियम में गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर से वोट चोरी का मुद्दा उठाया। राहुल गांधी की पीसी के बाद बीजेपी ने पलटवार किया है। दरअसल, बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि पहले इन्होंने हाइड्रोजन बम की बात की। लेकिन धमाका करना इनके बस की बात नहीं है। उन्होंने कहा

कि ये धमाका नहीं केवल ड्रामा कर सकते हैं।

राहुल पर बीजेपी ने साधा निशाना
बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों पर कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगभग 90 चुनाव हार चुकी है। उनकी हताशा दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने आरोपों की राजनीति को अपना आभूषण बना लिया है। गलत और निराधार आरोप लगाना राहुल गांधी की आदत बन गई है। माफी मांगना और अदालतों से फटकार खाना राहुल गांधी की दिनचर्या बन गई है।

चिंताजनक: बोतलबंद पानी के साथ हर साल निगल रहे 90,000 माइक्रोप्लास्टिक

नई दिल्ली
बोतलबंद पानी का विकल्प चुनना स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए खतरनाक है। जो लोग बोतलबंद पानी पीते हैं, वे नल का पानी पीने वालों की तुलना में औसतन 90,000 माइक्रोप्लास्टिक कण अधिक निगल जाते हैं। ये कण खून तक पहुंचकर दिल, दिमाग और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित कर सकते हैं। कॉनकॉर्डिया विश्वविद्यालय मॉट्रियल (कनाडा) के ताजा अध्ययन के मुताबिक, औसतन हर व्यक्ति सालाना 52,000 माइक्रोप्लास्टिक कण निगल लेता है। जबकि बोतलबंद पानी पीने वाले अतिरिक्त 90,000 कण शरीर में ले जाते हैं। 1 माइक्रोन से 5 मिलीमीटर तक पाया गया है। ये कण प्लास्टिक बोतलों से निर्माण, भंडारण, धूप और तापमान के असर से टूटकर निकलते हैं। शोध का नेतृत्व करने वाली सारा साजेदी के अनुसार माइक्रोप्लास्टिक शरीर में पहुंचने के बाद खून में घुलकर अंगों तक पहुंच जाते हैं।

थुरल में जमीन धंसने से पूरे गांव पर मंडराया खतरा, 14 परिवार हुए बेघर, सेना ने संभाला मोर्चा

गड़रेड़ पहुंचे सेना ने 50 जवान, टूटे घरों से निकाला सामान
जमीन धंसने से बेघर हुए 14 परिवार, नहीं थम रहे प्रभावितों के आंसू

धर्मशाला
हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में भारी बारिश से बहुत नुकसान हुआ है। थुरल की बछवाई पंचायत के गड़रेड़ गांव में जमीन धंसने से 14 परिवार बेघर हो गए हैं। प्रशासन ने इन्हें राहत शिविर में पहुंचाया है। प्रभावितों के घर रहने लायक नहीं हैं और सेना ने यहां मोर्चा संभाल

लिया है।
सेना के करीब 50 जवान एंबुलेंस के साथ गड़रेड़ पहुंचे। जवानों ने लोगों के साथ प्रभावितों के घरों से जरूरत का सामान निकाला। प्रभावितों के घर धंस गए हैं और दीवारें फट गई हैं। सड़क व जमीन भी धंस गई है। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने घरों का निरीक्षण कर नुकसान का जायजा लिया और राहत शिविर में प्रभावितों से बातचीत कर उनका दुख दर्द जाना। इस दौरान एसडीएम धीरा सलीम आजम व सेना के जवान भी उपस्थित रहे। प्रभावितों ने बताया कि जीवन भर की कमाई घर बनाने में लगा दी है।
प्रभावितों ने उपायुक्त को बताई स्थिति
जमीन धंसने से घरों में दरारें आ गई हैं। प्रभावितों कमलेश कुमार, ओम प्रकाश, नरेंद्र कुमार, शांति प्रकाश, देसराज, ज्योति प्रकाश, देवराज, हरनाम सिंह, मनोज कुमार, अश्वनी कुमार, नारायण दास, राकेश कुमार आदि ने उपायुक्त को बताया कि वे जमीन धंसने से बेघर हो गए हैं और राहत शिविर में समय काट रहे हैं। फटी दीवारें देखकर उनके आंसू नहीं थम रहे हैं। अब नया घर बनाने के लिए हिम्मत नहीं है और न ही सुरक्षित जमीन है।
तहसीलदार को जमीन देखने के निर्देश
जिला प्रशासन ने प्रभावितों को दोबारा बसाने के लिए तहसीलदार को भूमि देखने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि यहां पर सरकारी भूमि कम है। प्रभावितों को सरकार की ओर से नियमों के तहत सुरक्षित स्थान पर जमीन दी जाएगी।
2023 में गांव में आठ परिवार हुए थे प्रभावित
गड़रेड़ गांव का पूरा क्षेत्र धंस रहा है। जमीन के भीतर पानी का प्रेशर होने से ऐसा हो रहा है। वर्ष 2023 में भी क्षेत्र में ऐसी घटना हो चुकी है, जिसमें करीब आठ परिवार प्रभावित हुए थे। जो जमीन शेष है वहां पर घर बनाएं तो यही स्थिति हो सकती है।

धरती से बढ़ रही चंद्रमा दूरी, धीरे-धीरे बढ़ती जाएगी मिनट और घंटों की संख्या

नई दिल्ली
पृथ्वी का विश्वसनीय खगोलीय साथी चंद्रमा, जो 4.5 अरब वर्षों से हमारे साथ है, अब हमसे दूर होता जा रहा है। मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकताओं ने यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है। भौतिकी और खगोल विज्ञानी डॉ. स्टीफन डिकर्वी के अनुसार, चंद्रमा हर साल 1.5 इंच (3.8 सेमी) की दर से पृथ्वी से दूर हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप, पृथ्वी के घूमने की गति भी धीमी हो रही है, जिससे भविष्य में दिन लंबे हो सकते हैं।
क्या कभी चंद्रमा हमारे अधिक निकट था?
चंद्रमा का निर्माण लगभग 4.5 अरब साल पहले हुआ था, जब युवा पृथ्वी पर मंगल ग्रह के आकार का एक प्रोटोप्लैनेट टकराया था, जिससे बहुत सारा पदार्थ अंतरिक्ष में फैल गया। अंततः उसी पदार्थ से चंद्रमा का निर्माण हुआ। यह प्रारंभ में पृथ्वी के बहुत करीब था। उस समय, चंद्रमा आकाश में बहुत बड़ा दिखाई देता था। जीवाश्म विज्ञानियों ने यह प्रमाणित किया है कि लगभग 70 करोड़ साल पहले, डायनोसार के समय के अंत में, पृथ्वी का एक दिन केवल 23.5 घंटे का था। डा. डिकर्बी ने बताया कि ज्वार-भाटे के कारण चंद्रमा हमसे दूर होता जा रहा है। पृथ्वी के ज्वार-भाटे चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण बल से अत्यधिक प्रभावित होते हैं, जिसके कारण हमारे महासागरों में दो उभार बनते हैं।

परिवहन विभाग करीब 140 करोड़ रुपये की लंबित राशि उचित जांच के बाद उपभोक्ताओं को देगा। इसके लिए विभाग जल्द ही पोर्टल भी लॉन्च करेगा

ईवी सब्सिडी की लंबित राशि वाहन मालिकों को जल्द होगी जारी

उपभोक्ताओं को सब्सिडी न मिलने से बड़ी संख्या में आवेदन लंबित पड़े हैं

नई दिल्ली
दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने वालों को सब्सिडी का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। परिवहन विभाग ने लंबित आवेदनों के सत्यापन और बकाया राशि जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है। परिवहन विभाग करीब 140 करोड़ रुपये की लंबित राशि उचित जांच के बाद उपभोक्ताओं को देगा। इसके लिए विभाग जल्द ही पोर्टल भी लॉन्च करेगा। पिछले एक साल से उपभोक्ताओं को सब्सिडी न मिलने से बड़ी संख्या में आवेदन लंबित पड़े हैं। दिल्ली परिवहन विभाग के अधिकारी ने बताया कि गैर-भुगतान की वजह से बड़ा बैकलॉग और भारी लंबितता बन गई है। यह स्थिति तब बनी जब 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद कैबिनेट बैठक नहीं हो सकी और ईवी नीति का विस्तार रुक गया। ऐसे में जिन उपभोक्ताओं ने ईवी खरीदने के बाद सब्सिडी के लिए आवेदन किया था, उन्हें लाभ नहीं मिला। अब विभाग सभी लंबित आवेदनों की जांच कर योग्य उपभोक्ताओं को सब्सिडी राशि जारी करेगा।

गैर-भुगतान की वजह से बड़ा बैकलॉग और भारी लंबितता बन गई है

छह बार बढ़ाई गई ईवी नीति
दिल्ली की ईवी नीति पहली बार अगस्त 2020 में लागू हुई थी। इसे तीन साल के लिए बनाया गया था। दिसंबर 2023 तक नीति बढ़ाने के बाद इसे जनवरी 2024 में दोबारा बढ़ाने का प्रस्ताव था। नई बनी भाजपा सरकार ने इसे अप्रैल 2024 में 15 दिन के लिए और फिर एक साल के लिए बढ़ाया। अब तक इसे छह बार बढ़ाया जा चुका है। जब तक कि नई ईवी पॉलिसी 2.0 तैयार न हो जाए। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2020 से अगस्त 2024 तक दिल्ली में 2,10,618 इलेक्ट्रिक वाहन बिके।

शाहदरा नाले की सफाई और प्रदूषण रोकने के लिए उठाए कदम

नई दिल्ली
राजधानी के शाहदरा ड्रेन में अनुपचारित सीवेज, औद्योगिक कचरे और प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने अपनी ताजा प्रगति रिपोर्ट दाखिल की है। यह रिपोर्ट एनजीटी के आदेशों के जवाब में प्रस्तुत की गई हैं। जिसमें नाले की सफाई, अतिक्रमण हटाने, पौधरोपण और जन जागरूकता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्ययोजना की मांग की गई थी। यह नाला उत्तर प्रदेश की सीमा से शुरू होकर दिल्ली के गाजीपुर नाले में मिलने तक 13.4 किलोमीटर की दूरी तय करता है और लंबे समय से प्रदूषण का केंद्र बना हुआ है। एनजीटी ने अपनी सुनवाई में नाले के प्रदूषण, अतिक्रमण और सफाई से जुड़ी शिकायतों का संज्ञान लिया था। कोर्ट ने प्राधिकारियों को नाले का नक्शा, कार्य योजना, बजटीय आवंटन और कार्य पूरा होने की समय-सीमा के साथ एकीकृत रिपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था। विभाग ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि शाहदरा ड्रेन इंद्रपुरी लोनी (उत्तर प्रदेश) से शुरू होकर जौहरीपुर, गोकलपुर, सीलमपुर, गांधी नगर, और पटपड़गंज जैसे क्षेत्रों से गुजरता है और टाटा टेल्को टी पॉइंट पर गाजीपुर नाले में मिलता है। नाले का नक्शा अनुलग्नक-ए के रूप में जमा किया गया है। हालांकि, एनजीटी ने नोट किया कि पहले नाले के उद्गम से यमुना नदी में विलय तक का विस्तृत नक्शा रिकॉर्ड में नहीं था। साथ ही, विभिन्न प्राधिकारियों द्वारा एकीकृत कार्य योजना, जिसमें निष्पादित कार्य, बजट और समय-सीमा का विवरण हो, प्रस्तुत नहीं की गई थी।

सरकार की वायु प्रदूषण रोकथाम के लिए नई कार्य योजना

नई दिल्ली
दिल्ली सरकार ने आगामी शीतकाल में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। हर साल अक्तूबर के बाद राजधानी में हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं। इसे देखते हुए सरकार ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने का फैसला किया है।

ऐसे में पर्यावरण एवं वन विभाग के मंत्री की अध्यक्षता में शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्कूलों के लिए शीतकालीन कार्य योजना को अंतिम रूप दिया गया। इस योजना के तहत निम्नलिखित कदम उठाए जाएंगे। इसमें स्कूलों के खुले क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाएगा। स्कूलों में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। स्कूलों में उपयोग में न होने वाली लाइटों और अन्य बिजली उपकरणों को बंद करने की आदत को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा, पटाखों के उपयोग से होने वाले प्रदूषण के प्रति छात्रों और अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा। यही नहीं, सभी स्कूलों में प्रभावी और कुशल वेंटिलेशन सिस्टम स्थापित किए जाएंगे।वहीं, ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) के तहत वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को लागू करने के लिए स्कूलों को जागरूक और प्रशिक्षित किया जाएगा।

चाकू घोंपकर युवक की हत्या

नई दिल्ली
दक्षिण-पूर्वी जिले के गोविंदपुरी थाना पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए पांच आरोपितों को पकड़ा। पकड़े गए आरोपितों में चार नाबालिग और एक बालिग शामिल है। पकड़े गए आरोपित की पहचान तुगलकाबाद एक्सटेंशन निवासी सुमित (22) के रूप में हुई है।
दक्षिण-पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी के अनुसार 16 सितंबर की रात करीब 2:08 बजे पीसीआर कॉल के जरिये पुलिस को सूचना मिली कि तुगलकाबाद जंगल क्षेत्र, निर्मल टी-पॉइंट, संजय कॉलोनी के पास एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस को एक शव मिला। जांच में मृतक की पहचान 22 वर्षीय प्रेम बर्मन के रूप हुई। वह तुगलकाबाद गांव का रहने वाले था और कॉल सेंटर में काम करता था।

बाढ़ के बाद दिल्ली के मच्छर कहीं नोएडा वासियों को न मार दें डंक, प्राधिकरण का 'पोटली बम' से हमला

12 टीमें पूरे शहर में एंटी लार्वा छिड़काव के लिए लगाई गई हैं

नई दिल्ली
दिल्ली में बाढ़ के बाद ठहरे पानी में डेंगू का लार्वा पनपने का डर है। इससे नोएडा वासियों को दिक्कत न हो, इसके लिए प्राधिकरण ने दिल्ली से सटे इलाकों में विशेष अभियान शुरू किया। इसके तहत वह पोटली बम फेंकवा रहा है। नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य विभाग ने आशंका जताई है कि दिल्ली के अक्षरधाम, मयूर विहार की तरफ बाढ़ का जो साफ पानी भरा है उसमें डेंगू का लार्वा पनप सकता है। शहर में भी जगह-जगह बारिश का पानी भरा है। इस पानी में मच्छर का लार्वा पनपने से रोकने के लिए प्राधिकरण पोटली बनवाकर फेंकवा रहा है। इन पोटली को प्राधिकरण के कर्मचारी पोटली बम कह रहे हैं। इसके साथ ही न्यू अशोक नगर से मयूर विहार तक में प्राधिकरण एंटी लार्वा का छिड़काव भी करवा रहा है।

क्या है पोटली में
पोटलियों में बालू व मिट्टी में पाइरिप्रोक्सीफेन 0.50 कीटनाशक पाउडर मिलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इस पोटली भरे पानी की सतह पर किसी भी कीट का लार्वा नहीं पनपता है। इसलिए पोटलियां तैयार कर जगह-जगह पानी में डलवाई जा रही हैं। बुधवार को टीम दिल्ली के लिए अलग से लगाई गई।

12 टीमें कर रहीं एंटी लार्वा का छिड़काव
12 टीमें पूरे शहर में एंटी लार्वा छिड़काव के लिए लगाई गई हैं। अब तक शहर में डेंगू के मरीज 271 से ज्यादा सामने आ चुके हैं। 2024 में 500 मरीज मिले थे। 2023 में डेंगू मरीजों का आंकड़ा 950 तक पहुंच गया था।

जिले में डेंगू के 13 मरीज मिले
जिले में डेंगू के 13 नए मामले सामने आए लेकिन इनमें से पांच के पता गलत निकला। दो मरीजों ने फोन पर सही पता बताया जबकि तीन ने फोन नहीं उठाया। इससे मलेरिया विभाग की टीम उनके घरों तक नहीं पहुंच पाई और जरूरी एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव नहीं हो सका। इस साल अब तक 284 डेंगू मरीज मिल चुके हैं।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इन सभी मरीजों की जांच नोएडा के जिला अस्पताल में की गई थी। जैसे ही मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई वैसे ही विभाग की टीम मरीजों के पते पर पहुंची। इस दौरान पता चला कि पांच मरीजों का पता गलत है। हालांकि इनमें से दो मरीजों ने फोन पर सही पता बताया। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि तीन मरीजों से संपर्क नहीं हो पाया है।

नशे में धुत टेंपो चालक ने हाईवे पर मचाया आतंक, कई गाड़ियों को मारी टक्कर

नई दिल्ली
बाहरी दिल्ली में जीटी करनाल हाईवे पर बकौली बस स्टैंड के पास ट्रैफिक सिग्नल पर दोपहर लालबत्ती होने के कारण काफी गाड़ियां रुकी हुई थी। तभी एक तेज रफ्तार टेंपो चालक ने दो बाइक सवार को टक्कर मारते हुए, एक टाटा एस में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। जिन्हें पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
वहीं, घटनास्थल से टेंपो लेकर भाग रहे चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी।

एनबीडब्ल्यू लेकर घोषित बदमाश को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर हमला

बदमाश को छुड़ाने व पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की वीडियो हुई वायरल

नई दिल्ली
दक्षिण दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में बदमाश आजम को पकड़ कर ले जा रही पुलिस पर हमला करते हुए उसके परिजनों ने उसे छुड़ा लिया। इस दौरान पुलिस के वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। हमले में चार पुलिस कर्मी राहुल, प्रदीप, हरी सिंह व समय सिंह घायल हो गए। उन्हें एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया।
दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार चांदनहौला, फतेहपुर बेरी निवासी आजम खान के खिलाफ रॉबरी के पुराने मामले में गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी है। फतेहपुरबेरी थाने में तैनात छह से सात पुलिसकर्मी सोमवार शाम को वारंट की तामील करने आजम के घर पहुंची। पुलिस टीम जब उसे हिरासत में लेकर जाने लगी तभी बदमाश आजम और घर की महिलाओं समेत अन्य परिजनों ने विरोध शुरू कर दिया। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर धावा बोल दिया। आरोप है कि परिजनों ने पुलिस के साथ हाथापाई की और उनके साथ धक्का-मुक्की कर उन्हें घायल कर दिया। इसी अफरातफरी में आजम मौके से भाग निकला। पुलिस की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि आरोपी और उसके परिजनों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस पर हमला करने, हत्या का प्रयास और अपराधी को फरार कराने का केस दर्ज किया गया है। आरोपी व उसके परिजनों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है।

युवक पर चाकू से हमले में तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार स्थित त्रिलोकपुरी इलाके में रंजिशन रोहित उर्फ चिंटू पर चाकू से हमले के मामले में तीन आरोपियों राजीव उर्फ खुशी, विजय और आकाश उर्फ तालीबान को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है।
पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया, छानबीन में पता चला कि आरोपी राजीव के भाई निहाल से 12 सितंबर को रोहित का झगड़ा हुआ था। 13 सितंबर को रोहित अपने दोस्त शिवम और लकी के साथ 22 ब्लॉक के पार्क में मौजूद था।

1559 खोए व चोरी के मोबाइल लौटाए

नई दिल्ली
दिल्ली पुलिस ने पुलिस मुख्यालय के आदर्श सभागार में आयोजित समारोह में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 1559 मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए। इस अवसर पर उन्होंने 13 नेकदिल लोगों, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। साथ ही, 22 पुलिस अधिकारियों को उनकी बहादुरी, करुणा और समर्पण के लिए सम्मानित किया। दिल्ली पुलिस ने वर्ष 2025 में अब तक 6432 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

40 टीमों ने दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा के कुख्यात अपराधियों के ठिकानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली
दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में कुख्यात आपराधिक गिरोहों के सदस्यों और सहयोगियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर दिल्ली पुलिस ने छापेमारी की। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस की लगभग 40 टीमों ने टिल्लू ताजपुरिया गिरोह, नीरज बवाना-राजेश बवाना गिरोह, जितेंद्र उर्फ गोगी गिरोह और काला जठेरी गिरोह के कई ठिकानों पर छापा मारा। पुलिस ने कई जगहों से भारी मात्रा में नकदी और कई हथियार बरामद किए हैं और कई एफआईआर दर्ज की गई हैं।

550 पुलिसकर्मियों ने टीमें बनाकर की छापेमारी
जानकारी के मुताबिक, 550 पुलिसकर्मियों ने 30-40 टीमें बनाकर गैंगस्टरों के सहयोगियों और फाइनेंसर के ठिकानों पर छापेमारी की है। कई लोगों को हिरासत में लिया गया है, इसमें कितने गिरफ्तार हुए हैं, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

पीसीआर वैन ने एक को कुचला, ब्रेक की जगह दबाया एक्सीलेटर

ड्राइवर ने गाड़ी रोकने के लिए गलती से ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया

नई दिल्ली
दिल्ली के थाना मंदिर मार्ग इलाके में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन ने एक व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे में व्यक्ति की मौत हो गई। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, पीसीआर वैन के ड्राइवर ने अचानक गाड़ी रोकने के लिए गलती से ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया, जिससे वैन सड़क किनारे रैंप पर चढ़ गई और दुकान में सो रहे चाय विक्रेता को रौंद दिया। मामले में दोनों पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर सस्पेंड कर दिया गया है। हादसे को लेकर समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में नई दिल्ली के एडिशनल डीसीपी हुकमा राम ने कहा, "यहां एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना हुई है। पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई कर रही है। हम मृतक को हर संभव मदद और मुआवजा देंगे। हम सीसीटीवी की जांच करेंगे और आगे की जांच जारी है।
समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान 55 वर्षीय चाय विक्रेता गंगाराम के रूप में हुई है, वह सुबह करीब 5 बजे अपनी चाय की दुकान पर सो रहा था, जब यह घटना हुई।

जनता की पुकार... गड्ढे कब भरोगे सरकार, मुंबई की तर्ज पर बने कंक्रीट की सड़कें

साल के 365 दिन में से 150 से अधिक दिन सड़कें खराब हालत में रहती हैं

नई दिल्ली
अब बरसात आने वाली है, सड़कों के गड्ढे बाद में ठीक होंगे, लो अब मानसून आ गया तो भला सड़कें कैसे ही ठीक हो सकती हैं। अभी मानसून जाएगा उसके बाद सड़कें सूखेंगी कुछ समय लगेगा। टेंडर निकलेगा तब जाकर सड़कें ठीक होंगी।

सड़क में गड्ढे या गड्ढे में सड़क
बदहाली का ये क्रम एनसीआर के लगभग सभी शहरों में 12 माह में से पांच-छह माह तक चलता है। यानी हम कह सकते हैं साल के 365 दिन में से 150 से अधिक दिन सड़कें खराब हालत में रहती हैं। इतना ही नहीं, दिल्ली सहित एनसीआर के कई शहरों में अंदर की सड़कें तो साल भर खराब रहती हैं। टूटी सड़कों के कारण यातायात पर बुरा असर पड़ता है। इन गड्ढे वाली सड़कों के कारण अक्सर हादसे भी होते हैं। सड़कों की मरम्मत में बड़ी बाधा अधिकारियों में सीमा विवाद या जिम्मेदारी से बचने का प्रयास भी होता है, यही वजह है कि किसी सड़क की मरम्मत न होने पर किसी अधिकारी की जवाबदेही तय नहीं हो पाती। राष्ट्रीय राजधानी या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सड़कें हर समय अच्छी स्थिति में होनी चाहिए, सुंदर होनी चाहिए, इनपर हरियाली होनी चाहिए, इनके फुटपाथ एवं सेंट्रल वर्ज साफ व सुंदर होने पर वास्तविकता में ऐसा होता नहीं है। आखिर इसके लिए जवाबदेही क्यों नहीं तय की जाती? क्यों इतने लंबे समय तक राजधानी जैसे क्षेत्र की सड़कें खराब रहती हैं इसी की पड़ताल हमारा आज का मुद्दा है-

मुंबई की तर्ज पर जलभराव वाले स्थानों पर कंक्रीट की बने सड़कें
दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में जलभराव की समस्या कम होने की बजाय बढ़ती ही जा रही है। इसके ऊपर जितना काम होना चाहिए, नहीं हो रहा है। न तो नालों की सफाई पर जोर दिया जा रहा है और न ही नालों की क्षमता बढ़ाने के ऊपर ही ध्यान दिया जा रहा है।

दिल्ली में खूंखार कुत्तों से मिलेगी राहत, निगम का अभियान तेज

नई दिल्ली
दिल्ली नगर निगम के शाहदरा दक्षिणी जोन ने मंडावली वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए टीकाकरण अभियान चलाया। निगम की वेटनरी टीम ने 150 आवारा कुत्तों को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए।
पार्षद शशि चांदना ने बताया कि क्षेत्र में कुत्तों की समस्या बहुत है। निगम के वेटनरी विभाग को वार्ड में बुलाया गया। टीम में तीन डॉक्टर, तीन वैन और 10 कर्मचारी शामिल थे। आवारा कुत्तों को पकड़-पकड़कर उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन दिए गए। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि आम लोगों को रेबीज से बचाना है। कुत्ते जब आम लोगों को कटते हैं तो व्यक्ति को रेबीज में फैलने का खतरा सताता है। निगम शेल्टर होम बनाने के लिए तेजी से काम कर रहा है। खतरनाक कुत्तों को शेल्टर में रखा जाएगा, ताकि आम लोगों के साथ वह कुत्ते भी सुरक्षित रहें।

संपादकीय

भारत में सड़क हादसों की महामारी: किसकी जिम्मेदारी?

निर्माण और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर, कारीगर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था।

विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर, श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निमार्ता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला।

विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निमार्ता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं।

विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं।

विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों, मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल, हरयाणा, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम, ओडिशा, त्रिपुरा, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता।

औद्योगिक श्रमिकों द्धारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है। यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं।

विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निमार्ता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन- अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यों में प्रयुक्त होनेवाले औजारों, कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है।

विश्वकर्मा को सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी का वंशज माना गया है। ब्रह्माजी के पुत्र धर्म तथा धर्म के पुत्र वास्तु देव थे। जिन्हें शिल्पशास्त्र का आदि पुरुष माना जाता है। इन्हीं वास्तु देव की अंगिरसी नामक पत्नी से विश्वकर्मा का जन्म हुआ। अपने पिता के पद चिन्हों परचलते हुए विश्वकर्मा भी वास्तुकला के महान आचार्य बने। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ इनके पुत्र हैं। इन पांचों पुत्रों को वास्तुशिल्प की अलग-अलग विधाओं में विशेषज्ञ मानाजाता है।

पौराणिक साक्ष्यों के मुताबिक स्वर्ग लोक की इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरुणपुरी, कुबेरपुरी, असुर राजरावण की स्वर्णनगरी लंका, भगवान श्रीकृष्णकी समुद्र नगरी द्वारिका और पांडवों की राजधानी हस्तिनापुर के निर्माण का श्रेय भी विश्वकर्मा को ही जाता है।

● सड़क हादसों के आंकड़े बहुत ही भयानक हैं।इस क्रम में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी एक रपट के मुताबिक, देश में प्रतिदिन 474 लोग सड़क हादसे में अपनी जान गंवा देते हैं। वर्ष 2023 में 1.72 लाख लोगों की सड़क हादसे में जान गई है, जो वर्ष 2022 में 1.68 लाख मौतों के मुकाबले कहीं ज्यादा है

सुनील कुमार महला

सड़क पर चलते समय सतर्क रहना और नियमों का पालन करना जीवन बचाने के लिए बेहद जरूरी है। सड़क सुरक्षा का उद्देश्य दुर्घटनाओं को रोकना और सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।यही कारण है कि सड़क पर सुरक्षा के लिए कानून के तहत यातायात नियम निर्धारित किए गए हैं, जिनमें क्रमशः हेलमेट और सीटबेल्ट पहनना, नशे में वाहन न चलाना, निर्धारित गति सीमा(स्पीड लिमिट का पालन) का पालन करना,वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करना,पैदल चलने वालों का समुचित ध्यान रखना, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना,वाहन की सही स्थिति जैसे कि ब्रेक, लाइट, टायर आदि की नियमित जांच करना और सुरक्षित रूप से सड़क पार करना भी शामिल है। आज सड़क सुरक्षा इसलिए जरूरी है क्यों कि सड़क दुर्घटनाओं से हर साल लाखों लोग घायल होते हैं या अपनी जान गंवा बैठते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यह दूसरों की भी सुरक्षा का मामला है, केवल हमारी नहीं। यह भी एक तथ्य है कि सुरक्षित यात्रा से मानसिक शांति और समय की बचत होती है। वास्तव में सड़क सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि हम अपने बच्चों और युवाओं को स्कूल से ही सड़क नियमों की शिक्षा प्रदान करें तथा उनमें हेलमेट और सीट बेल्ट पहनने की आदत का निर्माण करें। सोशल मीडिया व स्थानीय अभियानों के जरिए जागरूकता फैलाने की आवश्यकता आज महत्ती हो गई है। पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में मध्य प्रदेश के इंदौर में एयरपोर्ट रोड स्थित शिक्षक नगर में एक तेज रफ्तार ट्रक ने 10 से 15 लोगों को कुचल दिया। इस सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक चालक संभवतः नशे में था और उसने तेज रफ्तार से दोपहिया वाहन चालकों को टक्कर मारी। हादसे के दौरान ट्रक के नीचे फंसी बाइक में आग लग गई और देखते ही देखते ट्रक भी जल

उठा। बाइक में फंसे सवार की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। ट्रक ने पहले बाइक चालक को टक्कर मारी और उसे काफी दूर तक घसीटता गया। इसके बाद ट्रक ने एक ई-रिक्शा को भी टक्कर मारी। ई-रिक्शा चालक और उसके अंदर सवार कई लोग बुरी तरह घायल हो गए। इसी प्रकार से दिल्ली के धौला कुआं इलाके में बीएमडब्ल्यू की टक्कर से वित्त मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी की मौत हो गई। कहना गलत नहीं होगा कि आज ज्यादातर सड़क हादसे लापरवाही के कारण होते हैं। हम अक्सर ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करते और वाहन चलाते वक्त जागरूक नहीं रहते। अक्सर यह देखा जाता है कि जल्दबाजी, तेज रफ़्तार,वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करना व नशा व नींद सड़क हादसे का कारण बनता है। इस संदर्भ में माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर अब देश भर में व्यावसायिक वाहनों के चालकों के लिए आठ घंटे ही वाहन चलाने को अनिवार्य किए जाने की प्रक्रिया को देश में बढ़ते सड़क हादसों को कम करने की चिंता से जोड़ना एक शुभ संकेत कहा जा सकता है। आज विभिन्न चालक लंबी दूरी की ड्राइविंग करते हैं और इसके कारण उन्हें थकान अनुभव होती है। वे पर्याप्त नींद नहीं ले पाते हैं और हादसे के शिकार हो जाते हैं। इसलिए यह बहुत ही जरूरी है कि कोई भी वाहन चालक पर्याप्त नींद के बाद ही कोई वाहन आदि चलाए। परिवहन कंपनियों को भी यह चाहिए कि वे चालक के काम के घंटों की ओर पर्याप्त ध्यान दें तथा वाहन चालकों पर काम के घंटों को लेकर किसी प्रकार का दवाब नहीं बनाएं। आज कहने को तो भारी वाहनों(हेवी व्हीकल्स) पर लंबी दूरी के लिए दो चालक रखने का नियमों में प्रावधान किया गया है, लेकिन खर्चों में कटौती के लोभ में कई बार ट्रक व दूसरे भारी वाहनों में यह इंतजाम किया ही नहीं जाता, यह बहुत ही दुखद है।चालक के काम के घंटों का पता लगाने के लिए आज जीपीएस जैसी तकनीक व्यावसायिक वाहनों में अनिवार्य करने से यह पता लगाना आसान हो सकता है कि चालक विशेष कितने घंटे तक वाहन चला रहा है। वास्तव में इस संबंध में समूचे सिस्टम से जुड़े ट्रांसपोर्टर्स, सरकारी परिवहन निगमों व वाहन मालिकों को इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने होंगे।यातायात नियमों की अनदेखी ठीक नहीं कही जा सकती है और इसके लिए नियम और कानून सख्त होने चाहिए, ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके। सड़क हादसों के आंकड़े बहुत ही भयानक हैं।इस क्रम में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी एक रपट के मुताबिक, देश में प्रतिदिन 474 लोग सड़क हादसे में अपनी जान गंवा देते हैं। वर्ष 2023 में 1.72 लाख लोगों की सड़क हादसे में जान गई है, जो वर्ष 2022 में 1.68 लाख मौतों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। आंकड़ों से पता चलता है कि सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह तेज रफ्तार है। वर्ष 2023 में सड़क हादसों में हुई कुल मौतों में से 68 फीसद से ज्यादा तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई हैं। इससे साफ है कि सड़क पर तेज रफ्तार का जुनून कितना भयावह साबित हो रहा है। कितनी बड़ी बात है कि हर घंटे औसतन 55 सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनमें 20 लोगों की मौत होती है।दुर्घटनाओं में शामिल दोपहिया वाहन चालकों का हिस्सा 44.8% था, जबकि पैदल यात्रियों का हिस्सा लगभग 20% था। राज्यवार सड़क हादसों की स्थिति की यदि हम यहां पर बात करें तो तमिलनाडु में, 2024 के पहले नौ महीनों में 251 घातक दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें से 62 पीड़ित 30 वर्ष से कम आयु के थे। यह आंकड़ा 2025 में बढ़कर 57 हो गया, जिससे युवा दुर्घटनाओं में वृद्धि दशार्ता है।एक अंग्रेजी दैनिक के अनुसार दिल्ली में, 2023 में 1,72,890 मौतों में से 44.8% दोपहिया वाहन चालकों की थीं, जो तेज रफ़्तार और लापरवाही से जुड़ी दुर्घटनाओं का संकेत देती हैं। हालिया घटनाओं की यदि हम यहां पर बात करें तो कोयंबटूर में, तेज रफ़्तार और स्टंटबाजी के कारण युवाओं की मौतें बढ़ी हैं। पुलिस ने ह्यनान युइर कवलनह्न नामक एक पहल शुरू की है और साप्ताहिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।पलवल (हरियाणा) में, एक पुलिस कांस्टेबल ने तेज रफ़्तार में कार चलाते हुए दो बच्चों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। अंत में यही कहूंगा कि हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में तेज रफ़्तार एक प्रमुख कारण है, जो युवा दुर्घटनाओं में वृद्धि का प्रमुख कारण बन रहा है। हालांकि, इस दिशा में सरकार और पुलिस विभागों द्वारा जागरूकता अभियानों और सख्त कानूनों के माध्यम से इस समस्या से निपटने की कोशिश की जा रही है।

लेकिन आज कानूनों को सख्ती से लागू करने के साथ-साथ जरूरत है उन लोगों की मानसिकता को बदलने की, जो सड़क पर तेज रफ्तार को अपनी शान समझते हैं।

पटाखों पर बैन लगने का रास्ता साफ तो बाकी प्रदुषण कैसे रुकेगा?

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण को लेकर शुक्रवार को कड़ी टिप्पणी की. चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बी.आर. गवई ने कहा कि अगर दिल्ली-एनसीआर (एनसीआर) के लोगों को स्वच्छ हवा का अधिकार है, तो दूसरे शहरों के निवासियों को क्यों नहीं? उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रदूषण नियंत्रण की नीतियां सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं रह सकतीं, बल्कि पैन-इंडिया स्तर पर लागू होनी चाहिए.बेंच की सुनवाई के दौरान, जिसमें जस्टिस के. विनोद चंद्रन भी शामिल थे, सीजेआई बी.आर. गवई ने पटाखा निमार्ताओं की उस याचिका पर विचार किया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की बिक्री और निर्माण पर पूरे साल के लिए लगे प्रतिबंध को चुनौती दी गई थी. बेंच ने कहा, ह्लहम दिल्ली के लिए अलग नीति नहीं बना सकते, सिर्फ इसलिए क्योंकि वहां देश का संभ्रांत वर्ग रहता है.ह्व सीजेआई ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया, ह्लमैं पिछले साल सर्दियों में अमृतसर गया था. वहां प्रदूषण की स्थिति दिल्ली से भी बदतर थी. अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तो यह पूरे देश में लगना चाहिए. कोर्ट ने यह टिप्पणी तब की जब एमिकस क्यूरिए एडवोकेट अपराजिता सिंह ने दिल्ली में सर्दियों के दौरान प्रदूषण की भयावह स्थिति का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि दिल्ली एक लैंडलॉक्ड शहर है, जहां हवा में प्रदूषक फंस जाते हैं, जिससे स्थिति चोकिंग लेवल तक पहुंच जाती है. लेकिन, सिंह ने स्वीकार किया कि एलीट वर्ग प्रदूषण के चरम दिनों में शहर छोड़ देता है.कोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या नीतियां सिर्फ अमीरों के लिए बनाई जा रही हैं? बेंच ने स्पष्ट किया कि सभी नागरिकों को स्वच्छ हवा का समान अधिकार है, चाहे वे किसी भी शहर में रहें. इसी सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य याचिका पर एक्शन लिया, जिसमें पटाखों पर पूरे देश में प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी. कोर्ट ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) को नोटिस जारी किया और दो हफ्तों में जवाब मांगा. यह नोटिस दिल्ली-एनसीआर में मौजूदा प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिकाओं के संदर्भ में भी जारी किया गया.

गौरतलब है कि अदालतें इससे पहले भी कई बार प्रदूषण पर टिप्पणी कर चुकी हैं। साल 2022 में कोर्ट ने कहा था, किसी भी बहाने से पटाखों पर रोक नहीं हटाई जा सकती है। जबकि 2021 में इसी प्रकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, सांस लेना प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है और मौलिक अधिकारों से छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए।इस तरह प्रदूषण रोकने को लेकर 2020 में एक याचिका पर कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था, प्रदूषण रोकना हमारी संवैधानिक जिम्मेदारी है। कोर्ट ने लोगों से प्रदूषण कम फैलाने की गुजारिश भी की थी। 2018 में पटाखों पर बैन के संबंध में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सिर्फ ग्रीन पटाखे इस्तेमाल करने को कहा था। कोर्ट ने कहा, जीवन और स्वास्थ्य सबसे ऊपर, परंपरा से अहम है।

देखा जाय तो राजधानी दिल्ली के साथ पूरे देश में प्रदूषण की चर्चा हमेशा होती है, जैसे वाहनों से होने वाला प्रदूषण, कटाई के बाद हरियाणा के खेतों में पाली जलाने से होने वाला प्रदूषण, दिवाली और दशहरा आने पर पटाखों से होने वाला प्रदूषण।क्या देश के अन्य हिस्सों में लोग प्रदूषण से पीड़ित नहीं हैं? इनमें से कई सवाल आम जनता द्वारा उठाए जाते हैं, और सुप्रीम कोर्ट के कई न्यायाधीश पद से आए और चले गए, लेकिन किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया है, शायद वे इसकी ओर आकर्षित नहीं हुए हैं। लेकिन भारत के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने पटाखों के प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान अप्रत्यक्ष रूप से पटाखों के प्रदूषण के मुद्दे को उठाने की कोशिश की है।डिस्ट्रीब्यूटर्स और कंज्यूमर सुनवाई पर ध्यान दे रहे हैं। गवई ने प्रतिबंध पर अपनी मजबूत राय व्यक्त की, खासकर जब प्रतिबंध याचिका केवल राजधानी दिल्ली में सुनवाई के लिए आई थी। यह प्रतिबंध केवल दिल्ली के लिए ही क्यों है? अगर दिल्ली को साफ हवा का अधिकार है, तो दूसरे शहरों के नागरिकों को भी यही अधिकार क्यों नहीं मिल सकता? भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि दिवाली के कारण पटाखों से होने वाले धुएं और पंजाब और हरियाणा राज्यों में हर साल बर्तन जलाने से होने वाले धुएं के कारण राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण वायु प्रदूषण की एक बड़ी समस्या है। इस मांग को लेकर एक याचिका दायर की गई है और इस पर सुनवाई हो रही है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में याचिका सिर्फ दिल्ली के लिए दायर की गई है, लेकिन पटाखों पर प्रतिबंध सिर्फ दिल्ली के लिए लागू नहीं किया जा सकता है।

दिल्ली के नागरिकों को देश का संभ्रांत मानते हुए हम केवल दिल्ली के लिए पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की नीति नहीं बना सकते।

पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण : भारत की बौद्धिक अस्मिता का संकल्प

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत एक ऐसा देश है जिसकी पहचान उसकी सभ्यता और सांस्कृतिक परंपरा से होती है। यहाँ हजारों वर्षों से ज्ञान की धारा निरंतर बहती रही है। वेदों और उपनिषदों से लेकर आयुर्वेद, गणित, खगोल, साहित्य और संगीत तक, हमारी पांडुलिपियों ने विश्व को वह दिया है जो आज भी अद्वितीय और अनुपम है। किंतु इस धरोहर को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित करने और दुनिया तक पहुँचाने में हम बार-बार चूकते रहे। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हालिया कथन कि पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण ह्लबौद्धिक चोरीह्व को रोकेगा, अत्यंत प्रासंगिक और दूरदर्शी है। यह कथन केवल तकनीकी समाधान की ओर इशारा नहीं करता, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का संकल्प भी है।

भारतीय पांडुलिपियाँ केवल कागज या ताड़पत्र पर लिखे शब्द नहीं हैं। वे समाज की स्मृति हैं, परंपराओं की कहानी हैं और ज्ञान की धरोहर हैं। इनमें विज्ञान, चिकित्सा, खगोल, दर्शन और कला से लेकर जीवनशैली तक का संपूर्ण अनुभव सुरक्षित है। आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आज भी ऐसी औषधियों और चिकित्सा विधियों का उल्लेख मिलता है जिनकी प्रासंगिकता आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है। गणित और खगोल से संबंधित पांडुलिपियों में शून्य, दशमलव और ग्रह-नक्षत्रों की गति का इतना विस्तृत विवरण है कि पश्चिमी जगत ने उनसे प्रेरणा लेकर अपने वैज्ञानिक शोध को दिशा दी। संगीत और नृत्य की पांडुलिपियाँ हमारी कलात्मक परंपरा को जीवित रखने का आधार हैं।

दुर्भाग्य यह रहा कि इन पांडुलिपियों की रक्षा के मामले में हम लापरवाह साबित हुए। उपनिवेशकाल में अंग्रेज और अन्य यूरोपीय विद्वान यहाँ से अनगिनत ग्रंथ ले गए। उन्होंने उनका अध्ययन किया और कई बार उनके अनुवाद अपने नाम से प्रकाशित कर दिए। योग और ध्यान की पद्धतियाँ, जो भारत की आत्मा हैं, विदेशों में अलग रूप में प्रस्तुत की गईं और उनसे भारी व्यावसायिक लाभ उठाया गया। आयुर्वेदिक नुस्खों और औषधीय पौधों पर विदेशी पेटेंट दर्ज हुए। हल्दी और नीम जैसे सामान्य ज्ञान पर भी कंपनियों ने अपना अधिकार जताने का प्रयास किया। यह सब हमारे लिए चेतावनी है कि यदि हम अपने ज्ञान की रक्षा नहीं करेंगे, तो दुनिया उसे हड़प लेगी।

यही वह संदर्भ है जिसमें डिजिटलीकरण का महत्व बढ़ जाता है। जब कोई पांडुलिपि डिजिटल रूप में दर्ज होगी तो उसका स्रोत और स्वामित्व स्थायी रूप से भारत के नाम पर रहेगा। यह बौद्धिक चोरी को रोकने का सबसे प्रभावी साधन होगा। इसके अतिरिक्त, डिजिटलीकरण से पांडुलिपियाँ सुरक्षित रहेंगी। समय, नमी, कीड़े और तापमान परिवर्तन से कागज व ताड़पत्र पर लिखी पांडुलिपियाँ क्षरण का शिकार होती हैं। डिजिटलीकरण उन्हें पीढ़ी-दर-पीढ़ी संरक्षित रखेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि डिजिटलीकृत सामग्री दुनिया भर के शोधकताओं और विद्यार्थियों को उपलब्ध होगी। भारत का ज्ञान केवल संग्रहालयों की अलमारियों में बंद न रहकर वैश्विक मंच पर जीवंत रूप में सामने आएगा।

यह कार्य आसान नहीं है। भारत में अनुमानतः पचास लाख से अधिक पांडुलिपियाँ हैं। वे अलग-अलग भाषाओं और लिपियों में लिखी गई हैं–संस्कृत, पाली, प्राकृत, तमिल, तेलुगु, मलयालम, उर्दू, अरबी, फारसी और अन्य भाषाओं में। कई लिपियाँ अब प्रचलन से बाहर हैं। उन्हें पढ़ना, समझना और डिजिटलीकरण करना विशेषज्ञता की मांग करता है। प्रामाणिकता बनाए रखना भी चुनौती है। अनुवाद या डिजिटल स्कैनिंग के दौरान यदि त्रुटियाँ रह गईं तो मूल ज्ञान विकृत हो सकता है। इसके अतिरिक्त, इतने बड़े कार्य के लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित विशेषज्ञ और आधुनिक तकनीक की भी भारी आवश्यकता होगी।

सरकार ने राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन जैसी पहल की है, जो सराहनीय कदम है। परंतु यह कार्य केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, निजी संगठनों और तकनीकी विशेषज्ञों को भी इसमें भागीदारी करनी होगी। आधुनिक तकनीक का पूरा उपयोग करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकें न केवल डिजिटलीकरण को आसान बना सकती हैं, बल्कि डेटा की सुरक्षा और खोजने की प्रक्रिया को भी विश्वसनीय बना सकती हैं।

जनरेशन-जी से लेकर जनरेशन अल्फा तक : बदलती दुनिया, बदलते बच्चे

डॉ प्रियंका सौरभ

समाज में समय-समय पर होने वाले परिवर्तन केवल राजनीति या तकनीकी तक सीमित नहीं रहते, बल्कि इंसान की सोच, जीवनशैली और संस्कृति पर गहरा असर डालते हैं। यही कारण है कि अलग-अलग वर्षों में जन्म लेने वाले लोगों को अलग-अलग जनरेशन के रूप में पहचाना जाता है। आजकल स्कूलों, कॉलेजों और यहाँ तक कि कॉरपोरेट दुनिया में भी जेन-जी और जेन अल्फा जैसे शब्द आम हो गए हैं। लेकिन सवाल यह है कि ये पीढ़ियाँ हैं क्या, इनकी सोच और चुनौतियाँ किन मायनों में अलग हैं और क्या यह फर्क समाज को मजबूत बना रहा है या विभाजन पैदा कर रहा है?

जनरेशन दरअसल वह समूह है जो लगभग समान समयावधि में जन्म लेता है और अपने बचपन व युवावस्था में समान सामाजिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों का अनुभव करता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौर में जन्मे बच्चे और आज के डिजिटल युग में जन्मे बच्चों की सोच और जीवनशैली में जमीन-आसमान का फर्क है। यही फर्क हर पीढ़ी की पहचान बन जाता है। अमेरिका और यूरोप में बीसवीं सदी की शुरूआत में पीढ़ियों को वगीर्कृत करने का चलन शुरू हुआ और अब भारत सहित पूरी दुनिया में इसे अपनाया जा रहा है।

बीसवीं सदी की शुरूआत से लेकर अब तक कई पीढ़ियाँ सामने आई हैं। 1901 से 1927 के बीच जन्म लेने वाली ग्रेटेस्ट जनरेशन ने प्रथम विश्व युद्ध और महामंदी

की कठिन परिस्थितियों का सामना किया। इनकी ज़िंदगी अनुशासन और त्याग से भरी रही। इसके बाद 1928 से 1945 तक जन्मे लोग साइलेंट जनरेशन कहलाए। यह वह पीढ़ी थी जिसने द्वितीय विश्व युद्ध, गरीबी और विस्थापन के बीच अपना बचपन गुजारा। भारत में यही पीढ़ी स्वतंत्रता और विभाजन दोनों की गवाह बनी। 1946 से 1964 के बीच जन्म लेने वाली पीढ़ी बेबी बूमर्स के नाम से जानी गई। युद्ध के बाद जन्म दर में तेजी से वृद्धि हुई और दुनिया पुनर्निर्माण की ओर बढ़ी। भारत में यह वही लोग थे जिन्होंने पहली बार स्वतंत्र नागरिक का दर्जा पाया और औद्योगिकीकरण तथा हरित क्रांति के दौर को देखा।

1965 से 1980 के बीच जन्म लेने वाली जेनरेशन एक्स तकनीकी क्रांति की आहट के साथ बड़ी हुई। टीवी और रेडियो इनके जीवन का हिस्सा बने। भारत में इस पीढ़ी ने आपातकाल और आर्थिक संकट का समय देखा, इसलिए यह व्यावहारिक और आत्मनिर्भर मानी जाती है। इसके बाद 1981 से 1996 तक जन्म लेने वाली पीढ़ी मिलेनियल्स या जेन-वाई कहलायी। इसने इंटरनेट और वैश्वीकरण का दौर देखा। नई महत्वाकांक्षाओं और सपनों से भरे इन युवाओं ने आईटी क्रांति और मोबाइल तकनीक का लाभ उठाया।

1997 से 2012 तक जन्म लेने वाली जेनरेशन-जी डिजिटल नेटिव कहलाती है। इन बच्चों ने बचपन से ही इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया को अपने जीवन का हिस्सा बना लिया। इनकी पहचान आत्मविश्वास, रचनात्मकता और तेज सोच है, लेकिन अधीरता और प्रतिस्पर्धा भी इनमें साफ दिखाई देती है। इसके बाद 2013 से 2025 के बीच जन्म लेने वाले बच्चे जेनरेशन अल्फा के नाम से पहचाने जाते हैं। ये बच्चे ऐसे माहौल में पले-बढ़ रहे हैं जहाँ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी और रोबोटिक्स रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। इनके खिलौने भी स्मार्ट डिवाइस हैं और शिक्षा पूरी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आधारित होती जा रही है।

जेनरेशन-जी की कुछ खास विशेषताएँ इन्हें औरों से अलग करती हैं। यह पहली पीढ़ी है जिसने बचपन से ही डिजिटल आईडी बनाई। किताबों और अखबारों की जगह यूट्यूब, इंस्टाग्राम और नेटफ्लिक्स इनकी पसंद बन गए। ये मल्टीटास्किंग में माहिर हैं, आत्मनिर्भर और स्वतंत्र सोच रखते हैं, लेकिन इनकी सबसे बड़ी चुनौती ध्यान केंद्रित करने की क्षमता का कम होना है। सोशल मीडिया से होने वाली तुलना इनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है और कई बार चिंता व अवसाद जैसी समस्याएँ भी पैदा करती है।

जेनरेशन अल्फा का भविष्य और भी अनोखा होगा। यह मानव इतिहास की पहली पूरी तरह डिजिटल नेटिव पीढ़ी है। इनके खिलौने रोबोट हैं, शिक्षा वर्चुअल क्लासरूम में हो रही है और इनके खेल का मैदान मेटावर्स तथा ऑगमेंटेड रियलिटी है। ये वैश्विक स्तर पर सोचेंगे क्योंकि इन्हें बचपन से ही दुनिया से जुड़े प्लेटफॉर्म मिल रहे हैं, लेकिन साथ ही यह खतरा भी रहेगा कि इनका वास्तविक दुनिया से जुड़ाव कमजोर हो जाए।

हर पीढ़ी पिछली से अलग रही है। बेबी बूमर्स नौकरी और स्थिरता को महत्व देते थे, जेन-एक्स ने संतुलन साधा, मिलेनियल्स ने उद्यमिता और सपनों पर ध्यान दिया, जबकि जेन-जी और अल्फा तेजी, सुविधा और त्वरित संतुष्टि को महत्व देते हैं। यही अंतर कभी-कभी संवाद की खाई भी पैदा कर देता है।

भारतीय संदर्भ में पीढ़ियों का असर और भी विविध है। गाँव और शहर में अनुभव अलग हैं। गाँव के बच्चे आज भी पारंपरिक खेलों और सामाजिक आयोजनों से जुड़े रहते हैं, जबकि शहरों के बच्चे मोबाइल और लैपटॉप की दुनिया में खोए रहते हैं। जेन अल्फा में यह अंतर और भी गहरा होगा। आर्थिक असमानता और शिक्षा का स्तर भी इस खाई को बढ़ाता है।

जेन-जी और अल्फा बच्चों के सामने कई चुनौतियाँ खड़ी होंगी। सबसे पहली चुनौती मानसिक स्वास्थ्य है। लगातार स्क्रीन टाइम और सोशल मीडिया के दबाव ने चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं को जन्म दिया है। दूसरी चुनौती सामाजिक जुड़ाव की है। वर्चुअल दुनिया में रिश्ते तो बनते हैं, लेकिन असली संबंध कमजोर पड़ जाते हैं।

तीसरी चुनौती रोजगार की अनिश्चितता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन पारंपरिक नौकरियों को खत्म कर रहे हैं।

पश्चिमी नेपाल में 4.6 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सीस्मोलॉजिकल सेंटर ने बताया कि भूकंप रात 8:26 बजे आया, जिसका केंद्र पूर्वी रुकुम और बागलुंग जिलों की सीमा के पास था। अचानक आए भूकंप ने स्थानीय निवासियों को अपने घरों से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया। आज आए भूकंप का असर लुंबिनी, कर्णाली और गण्डकी प्रांतों के विभिन्न जिलों में व्यापक रूप से महसूस किया गया। अभी तक मानव हताहतों या संपत्ति के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

जॉर्जियो अरमानी के सम्मान में पैंटेल्लेरिया द्वीप के हवाईअड्डे का नाम बदलेगा

रोम। इटली के छोटे से द्वीप पैंटेल्लेरिया का हवाईअड्डा अब दिवंगत फैशन डिजाइनर जॉर्जियो अरमानी के नाम पर रखा जाएगा। अरमानी का इस द्वीप से खास लगाव था और वे यहां अपनी गर्मियों की छुट्टियां बिताने आते थे। इसी कारण स्थानीय परिषद ने हवाईअड्डे का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा, जिसे इटली के नागरिक उड्डयन समूह ईएनएसी और परिवहन मंत्री माटेयो साल्विनी का समर्थन भी मिल गया है। अरमानी का इस भूमध्यसागरीय द्वीप पर एक भव्य निवास था, जिसमें सात पारंपरिक दमुसी मकान शामिल थे। ये सफेद लावा पत्थरों से बने गुंबदनुमा मकान थे और इनके चारों ओर 150 से अधिक खजूर के पेड़ लगे थे। अगस्त महीने में वे काम से विराम लेकर परिवार और दोस्तों के साथ यहीं समय बिताते थे। ईएनएसी के अध्यक्ष पियरलुइगी दी पाल्मा ने कहा कि हवाईअड्डे का नाम बदलना पर्यटन को बढ़ावा देने और हवाईअड्डे के आधुनिकीकरण की योजनाओं के अनुरूप है। पैंटेल्लेरिया द्वीप तक रोम और सिसिली के हवाईअड्डों, जैसे पालेर्मो, से उड़ानों के जरिए पहुंचा जा सकता है। 91 वर्षीय अरमानी का हाल ही में निधन हुआ था। फैशन जगत में उनके योगदान और पैंटेल्लेरिया से उनके विशेष जुड़ाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

मुस्लिम टास्क फोर्स केवल मुस्लिम शासन की रक्षा करने के लिए : बलोच नेता

लंदन। बलोचिस्तान की आज़ादी की लड़ाई लड़ रहे फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट ने कतर की राजधानी दोहा में इजराइल के खिलाफ ईरान और पाकिस्तान सहित तमाम मुस्लिम देशों के मुस्लिम टास्क फोर्स बनाने के फैसले को पाखंड करार दिया है और कहा है कि ये देश 'मुस्लिम लोगों' नहीं बल्कि मुस्लिम शासन की रक्षा करने के लिए चिंतित हैं। बलोचिस्तान के राष्ट्रवादी नेता एवं फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट के प्रमुख हिरबय्यर मारी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा है कि दोहा में आपातकालीन अरब-इस्लामी शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान और ईरान ने इजराइल के हमलों की निंदा की और संप्रभुता पर व्याख्यान दिये हैं। फिर भी, विडंबना यह है कि ये वही देश हैं जो लाखों बलोच, कुर्द, पश्तून, अजरई और अल-अहवाज के लोगों को संप्रभुता से वंचित करते हैं और उन्हें अपने कब्जे में रखे हुए हैं। मारी ने कहा कि ओआईसी के अंदर, तुर्की, पाकिस्तान और ईरान जैसे ये 'मुस्लिम' सदस्य जनसंहार के खिलाफ चिल्लाने या फिलिस्तीन और कश्मीर का जोर-जोर से समर्थन करने का मौका नहीं चूकते हैं। फिर भी, जब बलोचिस्तान और कुर्दिस्तान की बात आती है।

इजराइल ने गाजा के लोगों को शहर छोड़ने को लेकर 48 घंटे के लिए अतिरिक्त मार्ग खोला

काहिरा/यरूशलम। इज़राइली सेना ने घोषणा की कि वह गाजा के लोगों को शहर छोड़ने में सहूलियत प्रदान करने को लेकर 48 घंटे के लिए एक अतिरिक्त मार्ग खोल रही है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा शहर पर गिराए गए पर्चों में सेना ने कहा है कि फ़िलिस्तीनी नागरिक दक्षिण की ओर जाने के लिए हाल ही में खोले गए सलाहुद्दीन मार्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं। उनके पास ऐसा करने के लिए शुक्रवार दोपहर तक का समय है। गाजा के लोग केवल निर्धारित मार्ग से ही दक्षिण की ओर जाने के रास्ते तक पहुंच सकते हैं। उन्हें सुरक्षाबलों और यातायात संकेतों के निर्देशों का पालन करना होगा। हालांकि उन फिलिस्तीनी नागरिकों के लिए स्थिति अब भी अराजक और खतरनाक बनी हुई है जो हाल के दिनों में पैदल, गधागाड़ी या वाहनों के जरिए जा रहे हैं।उल्लेखनीय है कि 2023 में युद्ध की शुरुआत में गाजा शहर का अधिकांश हिस्सा बर्बाद हो गया था, लेकिन लगभग 10 लाख फ़िलिस्तीनी खंडहरों के बीच अपने घरों में लौट आए थे। वर्तमान इजराइली आदेश के मुताबिक, उन्हें जबरन बाहर निकालने का मतलब होगा गाजा की अधिकांश आबादी को दक्षिण में भीड़भाड़ वाले शिविरों में सीमित करना जहां भूख का संकट पनप रहा है।

...जब न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति ट्रंप के एयरफोर्स वन के पास पहुंची स्पिरिट की फ्लाइट

न्यूयॉर्क। अमेरिका के प्रमख शहर न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के ऊपर मंगलवार को स्पिरिट एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1300 लंदन जा रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के एयर फ़ोर्स वन के काफी करीब पहुंच गई। स्पिरिट के पायलटों को एयर फ़ोर्स वन के पास से तुरंत दूर होने और बार-बार मुड़ने की चेतावनी दी गई। राष्ट्रपति ट्रंप पत्नी मेलानिया ट्रंप और अन्य के साथ यूनाइटेड किंगडम (यूके) की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। उनका एयर फोर्स वन विमान जब न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के ऊपर से गुजर रहा था, तभी लॉडरडेल से बोस्टन जा रही स्पिरिट की उड़ान संख्या 1300 का विमान एयर फ़ोर्स वन के काफी करीब पहुंच गया। सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार लाइव एटीसी डॉट कॉम की रिकॉर्डिंग में यह चेतावनी और अन्य बातचीत का विवरण है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और परिवार के नौ सदस्य चुनाव में नहीं कर पाएंगे मतदान

एजेंसी

ढाका (बांग्लादेश)। देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के नौ सदस्य अगले साल फरवरी में होने वाले संसदीय चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। बांग्लादेश निर्वाचन आयोग ने इन सभी के राष्ट्रीय पहचान पत्रों (एनआईडी) को ब्लॉक कर दिया है। तुर्किये के सार्वजनिक प्रसारक टीआरटी वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, आयोग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फरवरी में होने वाले अगले संसदीय चुनाव में देश के अंदर और बाहर दोनों जगह मतदान होगा। विदेश में रहने वाले लोग पहली बार ऑनलाइन पंजीकरण कराएंगे और डाक सुविधा के जरिए वोट डालेंगे। आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने साफ किया है कि अगर विदेश में रहने वाले

बांग्लादेशियों के एनआईडी ब्लॉक कर दिए गए हैं तो वे वोट नहीं डाल पाएंगे। अप्रैल में अंतरिम सरकार के निर्देश के बाद आयोग ने हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के एनआईडी को अवरुद्ध कर दिया था। अहमद ने कहा कि विदेश से वोट देने के लिए एनआईडी नंबर का इस्तेमाल करके ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए पासपोर्ट पर्याप्त नहीं है बल्कि एनआईडी होना अनिवार्य होगा। केवल एनआईडी के साथ पंजीकरण कराने वालों को ही मतदान करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि हसीना और उनके परिवार के सदस्य अगले चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे।

उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त, 2024 को एक जन विद्रोह में अपनी सरकार के अपदस्थ होने के बाद से हसीना भारत में निर्वासन में हैं। उनके परिवार के सभी सदस्य अमेरिका और ब्रिटेन सहित अन्य देशों में भी रह रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस विद्रोह में 1,400 लोग मारे गए। हसीना बांग्लादेश में कई मामलों का सामना कर रही हैं। इनमें सामूहिक हत्या के आरोप भी शामिल हैं।

किर्गिस्तान में दो पत्रकारों को पांच साल की सजा

एजेंसी

बिश्केक। किर्गिस्तान की एक अदालत ने स्वतंत्र समाचार पोर्टल क्लूप (चद्यश्शश्च) से जुड़े दो पूर्व वीडियो संपादकों झूमार्ट डूलाटोव और अलेक्जेंडर अलेक्जेंड्रोव को पांच साल की कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उन पर झूठी जानकारी फैलाने और सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने के आरोप लगाए थे। पत्रकारों के वकील ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्हें अन्यायपूर्ण तरीके से दोषी ठहराया गया है।

मामले में क्लूप से जुड़े दो लेखाकारों को निलंबित सजा दी गई है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष की शुरुआत में सुरक्षा एजेंसियों ने कई वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों के घरों पर छापेमारी की थी और डूलाटोव व अलेक्जेंड्रोव को हिरासत में लेकर उपकरण जब्त किए थे मानवाधिकार संगठनों ने इस सुनवाई को राजनीतिक प्रेरित करार दिया है और इसे स्वतंत्र मीडिया को दबाने की व्यापक मुहिम का हिस्सा बताया है। 2007 में स्थापित क्लूप भ्रष्टाचार और मानवाधिकार से जुड़े मुद्दों पर अपनी खोजी पत्रकारिता के लिए जाना जाता है। हाल के वर्षों में उस पर लगातार दबाव बढ़ा है। वेबसाइट को किर्गिस्तान में ब्लॉक कर दिया गया है और बचे हुए पत्रकार विदेश से काम कर रहे हैं। एक समय मध्य एशिया में सबसे जीवंत मीडिया परिदृश्य के रूप में पहचाने जाने वाले किर्गिस्तान में राष्ट्रपति सादिर जापारोव के 2020 की क्रांति के बाद सत्ता में आने के साथ ही प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश बढ़ा है।

चार्ली किर्क की हत्या का राजनीतिक इस्तेमाल कर ट्रंप दे रहे विभाजन को बढ़ावा: पूर्व राष्ट्रपति ओबामा

एजेंसी

वाशिंगटन। देश के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप और उनके सहयोगी रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या का राजनीतिक इस्तेमाल कर विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं। यह लोग नहीं चाहते कि किर्क के विचारों पर बहस हो। ओबामा ने यह टिप्पणी मंगलवार को पेंसिल्वेनिया के एरी में आयोजित जेफरसन एजुकेशनल सोसाइटी के 17वें वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में की। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ओबामा ने कहा कि हाल के दिनों में ट्रंप की अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर किए गए हमलों और किर्क की हत्या के बाद अपने विरोधियों को दबाने के लिए कठोर कार्रवाई की धमकियों ने देश में तनाव बढ़ा दिया है। ओबामा ने कहा, जब मैं वर्तमान राष्ट्रपति और उनके सहयोगियों को भी सुनता हूं तो कोफ्त होती है। यह लोग अपने राजनीतिक विरोधियों को कीड़ा कहते हैं। यह एक व्यापक समस्या की ओर इशारा करता है।

पिछले हफ्ते यूटा में एक विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी

गई थी। ओबामा ने किर्क की मौत को भयावह और दुखद बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को किर्क के विचारों पर बहस करने का अधिकार होना चाहिए। ओबामा ने कहा, चाहे हम डेमोक्रेट हों, रिपब्लिकन हों या स्वतंत्र। हमें यह स्वीकार करना होगा कि दोनों पक्षों में निस्संदेह ऐसे लोग हैं जो अतिवादी हैं और जो ऐसी बातें कहते हैं जो मेरे अनुसार अमेरिका के मूल मूल्यों के विपरीत हैं। ओबामा ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ लड़ने के डेमोक्रेट्स के प्रयासों पर ध्यान दिया। उन्होंने टेक्सास के डेमोक्रेटिक विधायकों का उत्साहवर्धन भी किया।उन्होंने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम के कैलिफोर्निया के मानचित्रों को पुनः तैयार करने के रिपब्लिकनों का मुकाबला करने के प्रयास की भी सराहना की।

बलोचिस्तान के डेरा बुगती में विस्फोट, तीन नागरिकों की मौत, चार घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के डेरा बुगती जिले के सुई इलाके में दो अलग-अलग बारूदी सुरंग विस्फोटों में कम से कम तीन नागरिक मारे गए और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा खुजदार जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में पांच आतंकवादियों को मार गिराया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पहला विस्फोट सुबह करीब सात बजे साघारी गांव में हुआ। एक महिला, उसकी आठ साल की बेटी और गुलाम नबी की घर से बाहर निकलते ही मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट इतना भीषण था कि पीड़ितों के शव पहचान में नहीं आ रहे थे। दूसरा विस्फोट यारू के सीमावर्ती इलाके में हुआ। इस विस्फोट में दो पुरुष, एक महिला और उसका 10 साल का बेटा घायल हो गए। लेवी के जवान मौके पर पहुंचे और घायलों को डेरा बुगती सिविल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने दो पीड़ितों की हालत गंभीर बताई है।

लेवी और फ्रंटियर कोर के जवानों ने विस्फोट स्थलों की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने पुष्टि की कि विस्फोटक की प्रकृति का आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम बुलाई गई है। अधिकारियों ने घटना की जांच कराने की घोषणा की है। अभी तक किसी भी समूह ने विस्फोटों की जिम्मेदारी नहीं ली है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इस हफ्ते की शुरुआत में बलोचिस्तान के खुजदार जिले में एक खुफिया-आधारित अभियान में पांच आतंकवादियों को

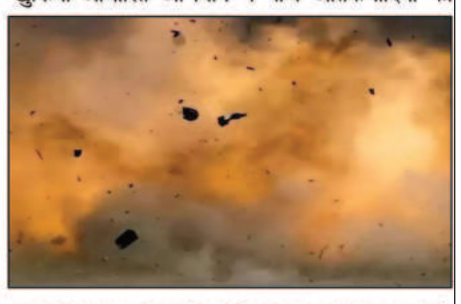

मार गिराया। आईएसपीआर ने कहा कि सुरक्षा बलों ने 14/15 सितंबर की रात आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना पर इस अभियान को अंजाम दिया।आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए। यह अभियान सोमवार को बलोचिस्तान के केच जिले में हुए एक विस्फोट में एक कैप्टन समेत पांच सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने के बाद चलाया गया।

नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 73, 12 नरकंकाल की पहचान नहीं हो पाई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में नौ सितंबर को हुई हिंसा और आगजनी की घटनाओं में भाटभटेनी सुपरस्टोर के तीन अलग-अलग आउटलेट्स पर मिले मानव कंकाल की पहचान नहीं हो पाई है। अब तक 12 ऐसे शव हैं, जिनका सिर्फ कंकाल ही मिल पाया है। इस बीच जेन-जी आंदोलन के दौरान मरने वालों की संख्या 73 तक पहुंच गई है। पुलिस ने बताया है कि 12 कंकाल पहचान इसलिए नहीं हो पाई, क्योंकि किसी ने भी अपने रिश्तेदारों की गुमशुदगी की सूचना नहीं दी है। सरकार ने आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित करने और मुआवजा देने का फैसला किया है। पुलिस के अनुसार, नौ सितंबर को चूचेपाटी स्थित भाटभटेनी सुपरस्टोर में सात कंकाल, 10 सितंबर को सुनसरी स्थित धरान

सुपरस्टोर में चार कंकाल और उसी दिन विराटनगर स्थित आउटलेट में एक कंकाल मिला था। पुलिस के अनुसार, अगर कोई अपने किसी रिश्तेदार के लापता होने की सूचना देता है तो डीएनए परीक्षण से उसकी पहचान आसान हो जाती है। नेपाल पुलिस के केंद्रीय प्रवक्ता और डीआईजी बिनोद घिमिरे ने कहा, सभी कंकाल का डीएनए परीक्षण जरूरी है। अगर लोग पुलिस से संपर्क कर अपने परिजनों के लापता होने का दावा करते हैं तो डीएनए परीक्षण कराया जाएगा।

अभी तक इस सिलसिले में कोई भी आगे नहीं आया है। जेन-जी आंदोलन के दूसरे दिन नौ सितंबर को भटभटेनी सुपरस्टोर की कई दुकानों में आग लगाकर लूटपाट की गई थी। इस डिपार्टमेंटल स्टोर के बयान में कहा गया है कि नष्ट की गई दुकानों की सफाई के दौरान तीन सुपरस्टोरों में मानव कंकाल मिले। कंकालों की पहचान न हो पाने पर पुलिस ने यूनिट के जरिए एक नोटिस जारी कर परिजनों से संपर्क करने को कहा है।

बांग्लादेश ने 37.46 टन हिल्सा मछली की पहली खेप भारत भेजी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश ने बुधवार तड़के 37.46 टन हिल्सा मछली की पहली खेप भारत भेज दी। जशोर स्थित मत्स्य विभाग के अधिकारी साजिब साहा ने यह जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, साहा ने बताया कि सीमा शुल्क और क्वारंटाइन मंजूरी के बाद मछलियों का निर्यात बेनापोल लैंड बंदरगाह के ज़रिए किया गया। इस दौरान पांच निर्यातकों ने छह खेपों में मछलियां भेजीं। दो खेप बिश्वास एंटरप्राइज से और बाकी चार खेप जशोर के झिकरगच्छा स्थित लकी ट्रेडिंग, बारिशाल स्थित तनिषा एंटरप्राइज, बेनापोल स्थित सताटा फिश और झोरनाली एंटरप्राइज से आई। निर्यात की गई ज़्यादातर मछलियों का वज़न 600 से 700 ग्राम के बीच था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एंटीफा को आतंकी संगठन घोषित किया

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने देश में सक्रिय आंदोलनकारी समूह 'एंटी-फासिस्ट' (एंटीफा) को प्रमुख आतंकवादी संगठन घोषित किया है। उन्होंने यह घोषणा ट्रुथ सोशल के माध्यम से की। इससे पहले सोमवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने अवैध आव्रजन पर की गई कार्रवाई के विरोध में किए गए एंटीफा के आंदोलन की आलोचना की थी। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने घोषणा में कहा, एंटीफा भयानक है। यह विरोध प्रदर्शन नहीं हैं। यह अपराध है। वे पेशेवर आंदोलनकारी हैं। उन्हें जेल में डाल देना चाहिए। वे इस देश के साथ जो कर रहे हैं, वह वाकई विध्वंसकारी है। ट्रंप ने 10 सितंबर को टर्निंग पॉइंट यूएसए के संस्थापक चार्ली किर्क के कथित हत्यारे टायलर रॉबिन्सन को कट्टरपंथी अति-वामपंथी सक्रियता से जोड़ा है।अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध हत्यारे के हथियार के पास मिले गोलियों के खोल पर अरे फासीवादी! पकड़ो!

> **ऐसा कहा जाता है कि वे अपनी गतिविधियां सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड पीयर-टू-पीयर नेटवर्क और सिग्नल जैसी मैसेजिंग ऐप के जरिए संचालित करते हैं। इसके सदस्य अक्सर काले कपड़े और मुखौटे पहनते हैं।**

और बेला सियाओ बेला सियाओ सियाओ लिखा हुआ था। यह अंश द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इतालवी प्रतिरोध के लोकप्रिय गीत के हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एंटीफा को फंड करने वालों को कड़े कानूनों के तहत कार्रवाई की धमकी दी है। ट्रंप ने लिखा, मुझे अपने सभी अमेरिकी देशभक्तों को यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि मैं एंटीफा को एक बीमार, खतरनाक, कट्टरपंथी वामपंथी आपदा मानता हूं और इसे एक प्रमुख आतंकवादी संगठन घोषित कर रहा हूं। इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कहा था कि चार्ली किर्क ने उन्हें जो आखिरी संदेश भेजा था, उसमें हिंसा को बढ़ावा देने के आरोपी अनाम वामपंथी समूहों के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया गया था। उल्लेखनीय है कि मई 2020 में भी डोनाल्ड ट्रंप ने एंटीफा को आतंकवादी समूह घोषित करने की बात कही थी। सामरिक एवं अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के अनुसार, एंटीफा अति-वामपंथी उग्रवादियों का नेटवर्क है। यह फासीवादी, नस्लवादी और दक्षिणपंथी अतिवादियों का विरोध करता है। एंटीफा के सबसे आम प्रतीकों में से एक 1917 की रूसी क्रांति का लाल झंडा और 19वीं सदी के अराजकतावादियों का काला झंडा है।

ईरान ने परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों पर प्रतिबंध लगाने के लिए आईएईए को प्रस्ताव दिया

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने चीन, रूस, वेनेजुएला, निकारागुआ और बेलारूस के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए)के सामने एक प्रस्ताव का मसौदा प्रस्तुत किया है जिसमें एजेंसी के सरंक्षण में आने वाले परमाणु स्थलों और प्रतिष्ठानों पर सभी प्रकार के हमलों या हमले की धमकियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया गया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाकेई ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर इस कदम की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह पहल अंतर्राष्ट्रीय कानून की बाध्यता बनाए रखने और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की प्रासंगिकता को कायम रखने के लिए एक आवश्यक कदम है।

उन्होंने कहा कि आईएईए के सरंक्षण वाले परमाणु स्थलों और प्रतिष्ठानों पर सभी प्रकार के हमलों और हमले की धमकियों पर प्रतिबंध शीर्षक वाला यह प्रस्ताव इस बात पर ज़ोर देता है कि सभी देशों को शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा विकसित करने का अधिकार है। यह इस बात पर भी ज़ोर देता है कि देश अपनी संरक्षित प्रतिष्ठानों पर किसी भी हमले या हमले की धमकी के विरुद्ध प्रभावी गारंटी के हकदार हैं। मसौदा इस बात की भी पुष्टि करता है कि राष्ट्रों को अन्य देशों में शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने या उन्हें धमकी देने से बचना चाहिए। प्रस्ताव यह सुनिश्चित करने की एजेंसी की ज़िम्मेदारी पर प्रकाश डालता है कि परमाणु गतिविधियाँ किसी भी प्रकार के व्यवधान से मुक्त रहें।

प्रवक्ता ने कहा इन सिद्धांतों को कायम रखा जाना चाहिए। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से वैश्विक सुरक्षा और परमाणु शासन में अराजकता के सामान्यीकरण को रोकने के लिए दृढ़ता से काम करने का आग्रह किया। प्रस्तावित प्रस्ताव परमाणु प्रतिष्ठानों पर सशस्त्र हमलों को प्रतिबंधित करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और एजेंसी के पिछले निर्णयों की याद दिलाता है।

इसमें चेतावनी दी गई है कि इस तरह की कार्रवाइयाँ संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र और अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने के साथ ही मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम भी पैदा करती हैं।

पेनसिल्वेनिया में हुई गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारियों की मौत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिणी पेनसिल्वेनिया में हुई गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना उत्तर कोडोरस टाउनशिप में हार रोड के उस क्षेत्र में हुई जो फिलाडेल्फिया से 100 मील पश्चिम में एक ग्रामीण समुदायिक क्षेत्र है। इस बीच पेनसिल्वेनिया राज्य

पुलिस के आयुक्त क्रिस्टोफर पेरिस ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अधिकारी एक घरेलू प्रकरण की जांच के लिए घटनास्थल पर गए थे। उन्होंने दावा किया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोलीबारी में शामिल व्यक्ति मारा गया। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध की पहचान अभी नहीं हो सकी है। उन्होंने फायरिंग में मारे गए पुलिस अधिकारियो के बारे में कोई ब्योरा देने से इनकार कर दिया। इस बीच फायरिंग की सूचना मिलने पर पेनसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने घटनास्थल का दौरा कर हालात का जायजा लिया।

ट्रंप का विंडसर कैसल में स्वागत, लंदन की सड़कों पर विरोध

एजेंसी

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ब्रिटेन की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान विंडसर कैसल में आयोजित राजकीय भोज में शाही परिवार के साथ शामिल हुए। उनका विंडसर में जोरदार स्वागत किया गया, जबकि हजारों लोगों ने अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा का विरोध किया। रात्रिभोज में राजनेता, गणमान्य व्यक्ति और उच्च-प्रोफाइल तकनीकी उद्यमी भी मौजूद रहे।

द गार्डियन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विंडसर में डोनाल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक दूसरी राजकीय यात्रा के दौरान 150 अरब पाउंड के अमेरिकी निवेश का अनावरण किया गया है। ब्रिटिश सरकार के अनुसार, बड़ी अमेरिकी कंपनियों से आने वाले नकदी प्रवाह के परिणामस्वरूप देश भर में लगभग 7,600 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। आज ट्रंप के साथ होने वाली उच्चस्तरीय चर्चा से पहले प्रधानमंत्री ने कीर स्टारमर ने इस घोषणा का स्वागत किया। विंडसर कैसल में ट्रंप के राजकीय भोज में शामिल होने वालों में एप्पल के टिम कुक और ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री स्टारमर ने कहा कि ये निवेश ब्रिटेन की आर्थिक मजबूती का प्रमाण हैं और इस बात का एक स्पष्ट संकेत हैं कि हमारा देश खुला, महत्वाकांक्षी और नेतृत्व के लिए तैयार है। नौकरियां, विकास और अवसर - यही मैंने कामकाजी लोगों के लिए वादा किया था। ट्रंप की यह राजकीय यात्रा ठीक यही सब प्रदान कर रही है।ब्रिटेन में निवेश का वादा करने वाली कंपनियों में परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी ब्लैकस्टोन भी शामिल है। यह कंपनी डेटा सेंटर विकसित करने के लिए पहले घोषित 10 बिलियन पाउंड के अतिरिक्त 90 बिलियन पाउंड का नकद निवेश करेगी। अन्य निवेश कंपनियों में निवेश फर्म प्रोलोगिस है। इसने 3.9 अरब पाउंड और सॉफ्टवेयर कंपनी पैलंटिर ने 1.5 अरब पाउंड का निवेश करने का वादा किया है। अमेरिका से ब्रिटेन में नकदी का यह नया प्रवाह ऐसे समय में हुआ है जब स्टारमर और ट्रंप अपनी मुलाकात में एक नए प्रौद्योगिकी समृद्धि समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस का अनुमान है कि पार्लियामेंट स्क्वायर में ट्रंप विरोधी रैली में 5,000 लोग शामिल हुए। देश में अन्य जगह भी विरोध प्रदर्शन भी हुए। पूर्व लेबर नेता और अब निर्दलीय सांसद जेरेमी कॉर्बिन ने उन चार कार्यकर्ताओं को बधाई दी, जिन्हें पुलिस ने कल रात विंडसर कैसल की दीवारों पर डोनाल्ड ट्रंप और जेफरी एपस्टीन की तस्वीरें लगाए जाने के बाद गिरफ्तार किया। महाराजा चार्ल्स और ट्रंप ने भव्य राजकीय भोज से पहले संक्षिप्त टिप्पणियों में एक-दूसरे की सराहना की। इसके बाद अमेरिका और ब्रिटेन के कैबिनेट सदस्यों ने तकनीक और मीडिया के दिग्गजों के साथ शाही परिवार के आठ सदस्यों के साथ भोजन किया। चार्ल्स ने दुनिया भर में संघर्षों के समाधान खोजने के ट्रंप के प्रयासों की प्रशंसा की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चार्ल्स की दूसरी राजकीय यात्रा के लिए उनकी प्रशंसा और आभार व्यक्त किया। स्काई न्यूज के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे राजकीय दौरे पर ब्रिटेन पहुंचने पर प्रदर्शनकारियों ने विंडसर कैसल में बाल यौन शोषण करने वाले जेफरी एपस्टीन के साथ उनकी विशाल तस्वीरें दिखाईं। इस महीने की शुरुआत से ट्रंप को इस बदनाम अरबपति के साथ अपने संबंधों को लेकर बढ़ते सवालों का सामना करना पड़ रहा है। थेम्स वैली पुलिस ने बताया कि महल पर ट्रंप और एपस्टीन की तस्वीरें दिखाई देने के बाद मंगलवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। सीएनएन न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप विरोधी प्रदर्शन मंगलवार शाम शुरू हो गए। ट्रंप के लंदन के स्टैनस्टेड हवाई अड्डे पर उतरते ही प्रदर्शनकारी राजधानी के मध्य में स्थित ब्रिटेन में अमेरिकी राजदूत के आधिकारिक निवास, विनफील्ड हाउस की ओर बढ़े।

जीएसटी दरों में बदलाव से हरित ऊर्जा को मिलेगी गति, 1.5 लाख करोड़ तक की होगी बचत

एजेंसी

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि वस?तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर को युक्तिसंगत बनाये जाने से देश में स्वच्छ ऊर्जा बदलाव को गति मिलेगी। मंत्रालय के तय लक्ष्य के मुताबिक 2030 तक 300 गीगावाट क्षमता और जोड़ने पर 1.5 लाख करोड़ रुपये तक की बचत हो सकती है। संशोधित जीएसटी दरें 22 सितंबर, 2025 से लागू होंगी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा मूल्य शृंखला में जीएसटी दरों को 12 से 5 फीसदी तक युक्तिसंगत बनाने से स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की लागत कम हो जाएगी, जिससे बिजली ज्यादा सस्ती हो जाएगी और घरों, किसानों, उद्योगों एवं डेवलपर्स को सीधे लाभ होगा। यह सुधार अगले दशक में 5-7 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगारों को बढ़ावा दे सकता है, जिससे भारत का स्वच्छ ऊर्जा औद्योगिक इकोसिस्टम मजबूत होगा। मंत्रालय ने कहा कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने से पीएम सूर्यघर के तहत रूफटॉप सोलर- मुफ्त बिजली योजना 3 किलोवाट सिस्टम के लिए 9,000-10,500 रुपये तक सस्ती हो जाएगी।

आयकर विभाग ने मुंबई में मैरिको के कार्यालयों और कारखानों का किया सर्वेक्षण

मुंबई। आयकर विभाग की मुंबई जांच शाखा ने कर चोरी के आरोप में मैरिको लिमिटेड के विभिन्न कार्यालयों, प्रमुख डीलरों और कारखानों का सर्वेक्षण किया है। यह सर्वेक्षण कार्रवाई कुछ विदेशी फंडिंग लेनदेन की जांच से जुड़ी है। हालांकि, मैरिको ने अभी तक इस मामले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग की टीमें कर चोरी की जांच के तहत कंपनी के वित्तीय दस्तावेज और लेनदेन की जांच कर रही हैं। सर्वेक्षण अभियान के तहत आयकर विभाग जांच के दायरे में आई इकाई के व्यावसायिक परिसरों का औचक निरीक्षण करता है। जांच के बारे में अधिक जानकारी का इंतजार है। मुंबई स्थित मैरिको लिमिटेड एक प्रमुख भारतीय उपभोक्ता वस्तु कंपनी है, जो पैराशूट, सफोला और सेट वेट जैसे प्रसिद्ध ब्रांडों के तहत हेयर केयर, स्किन केयर, खाद्य तेल, हेल्दी फूड और पुरुषों के सौंदर्य प्रसाधन जैसी श्रेणियों में उत्पाद पेश करती है। कंपनी इनका निर्माण, विपणन और बिक्री करती है।

जीएसटी सुधारों से अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ आएंगे, लोगों के पास होगा ज्यादा पैसाः सीतारमण

विशाखापत्तनम। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अगली पीढ़ी के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। इससे लोगों के हाथ में अधिक नकदी होगी, जो अन्यथा करों में चली जाती वित्त मंत्री ने यहां आयोजित अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों पर आउटरीच और इंटरेक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न व्यापार निकायों के व्यापारियों और व्यापार प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। उन?होंने कहा कि इस नई पीढ़ी की कर व्यवस्था में जिसमें केवल दो स्लैब (5 और 18 फीसदी) हैं, इससे अर्थव्यवस्था में 2 लाख करोड़ रुपये आएंगे। लोगों के पास नकदी होगी। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी राजस्व 2025 में बढ़कर 22.08 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। करदाताओं की संख्या पहले के 65 लाख से बढ़कर 1.51 करोड़ हो गई है। उन्होंने कहा कि जीएसटी कर सुधारों के बाद 12 फीसदी जीएसटी स्लैब के तहत आने वाली 99 फीसदी वस्तुएं अब 5 फीसदी के स्लैब में आ गई हैं। इस बदलाव के परिणामस्वरूप 28 फीसदी कर स्लैब के अंतर्गत आने वाली 90 फीसदी वस्तुएं 18 फसदी के स्लैब में आ गई हैं।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 610 रुपये से लेकर 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। दूसरी ओर चांदी आज 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गया है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,11,710 रुपये से लेकर 1,11,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 1,02,400 रुपये से लेकर 1,02,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,11,860 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,11,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,02,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,11,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,11,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,02,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में एयरफ्लोआ रेल की जबरदस्त एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री के साथ ही एरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर के लिए भी अहम पार्ट्स बनाने वाली कंपनी एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 266 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही उछल कर 279.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया।एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का 91.10 करोड़ रुपये का आईपीओ 11से 15 सितंबर के बीच

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 301.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 214.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 349.88 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 330.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 65.07 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और नए इक्वीपमेंट की खरीदारी करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.49 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 14.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी को 95.33 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 122.87 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 60.22 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 63.80 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में ये 36.75 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में बढ़ कर 50.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

वित्त मंत्रालय ने सीजीएसटी की नई दरों को किया अधिसूचित, 22 सितंबर से होंगी प्रभावी

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने उत्पादों के लिए केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) की दरें अधिसूचित कर दी हैं। जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। इस अधिसूचना के बाद राज्यों को अपने भी स्तर पर राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) की दरें अधिसूचित करनी होंगी। वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 के तहत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर ढांचे में संशोधन करते हुए एक राजपत्र अधिसूचना जारी किया है। जीएसटी व्यवस्था के तहत प्राप्त राजस्व को केंद्र एवं राज्यों के बीच समान रूप से साझा किया जाता है। वित्त मंत्रालय ने सात अनुसूचियों में नवीनतम जीएसटी स्लैब की दरों को अधिसूचित किया है। जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में मंजूरी के बाद 22 सितंबर से नई व्यवस्था के तहत अधिकांश वस्तुओं एवं सेवाओं पर पांच और 18 फीसदी की दर से ही कर लगेगा। हालांकि, विलासिता वाली वस्तुओं पर 40 फीसदी कर लगेगा, जबकि तंबाकू एवं संबंधित उत्पादों पर 28 फीसदी जीएसटी के साथ उपकर जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि मौजूदा व्यवस्था के तहत जीएसटी की चार कर दरें हैं, जो पांच, 12, 18 और 28 फीसदी हैं। इसके साथ विलासिता एवं अहितकर उत्पादों पर अलग से उपकर भी लगता है।

राज्यों को 50 साल के ब्याज मुक्त ऋण के रूप में 3.6 लाख करोड़ रुपये मंजूरः सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली/विशाखापत्तनम। केंद्र सरकार ने राज्यों को 50 साल के ब्याज-मुक्त ऋण के रूप में अबतक 3.6 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की है। पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के तहत पूंजीगत व्यय में वृद्धि को प्रोत्साहित किया है। इस प्रयास से 22 राज्यों ने अपने स्वयं के पूंजीगत व्यय में 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 'सीआईआई जीसीसी बिजनेस समिट' को संबोधित करते हुए यह बात कही। निर्मला सीतारमण ने कहा कि अब तक 22 राज्यों को 50 साल की ब्याज-मुक्त सहायता के तहत लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। उन?होंने कहा कि देश में पूंजीगत निवेश (राज्यों समेत) बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.1 फीसदी हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में यह सिर्फ 1.7 फीसदी था। सीतारमण ने कहा,

वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) का आर्थिक विकास, प्रतिस्पर्धात्मकता और मानव पूंजी विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। भारत की जीसीसी की कहानी एक परिवर्तनकारी यात्रा है। उन्होंने आगे कहा, पिछले 11 वर्षों में 88 हवाई अड्डों का संचालन शुरू हो चुका है, 31,000 किलोमीटर नई रेल पटरियां बिछाई गई हैं, मेट्रो नेटवर्क का चार गुना से ज्यादा विस्तार हुआ है, बंदरगाहों की क्षमता दोगुनी हो गई है और राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का 60 फीसदी विस्तार हुआ है।

डॉलर की तुलना में 26 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट और पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों की वजह से शेयर बाजार के साथ मुद्रा बाजार में भी सकारात्मक माहौल बना रहा। मुद्रा बाजार में बने सकारात्मक माहौल और मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने के कारण रुपया आज लगातार दूसरे दिन डॉलर की तुलना में मजबूत होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 26 पैसे उछल कर 87.81 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा ने 88.07 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार का अंत किया था। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 24 पैसे की बढ़त के साथ 87.83 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद कुछ देर के लिए रुपया 36 पैसे की मजबूती के साथ 87.71 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद डॉलर की मांग में तेज आने के कारण रुपया ऊपरी स्तर से फिसल कर 87.86 के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 26 पैसे की मजबूती के साथ 87.81 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर की तुलना में तो मजबूत प्रदर्शन किया ही, ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी भारतीय मुद्रा ने मजबूती दिखाई। आज

के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 29.21 पैसे की तेजी के साथ 119.84 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 1.43 पैसे की सांकेतिक उछाल के साथ 104.01 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ।

गैलेक्सी मेडिकेयर ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। मेडिकल उपकरण, पीओपी बैंडेज और सर्जिकल आइटम्स बनाने और उनका निर्यात करने वाली कंपनी गैलेक्सी मिडिकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 54 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही कंपनी के शेयर लुढ़क कर 51.30 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। गैलेक्सी मिडिकेयर का 22.31 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन

के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.83 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.48 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.10 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 16.74 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 8.24 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.71 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ मामूली गिरावट के साथ 3.37 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 9 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 40.27 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में लगातार कमी आई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 9.15 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में घट कर 8.12 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2024-25 के आखिर में कंपनी का कर्ज कम होकर 4.61 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल संयुक्त अरब अमीरात के दो दिवसीय दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दो दिवसीय दौरे पर होंगे। यात्रा के दौरान वह 13वीं भारत-यूएई उच्च स्तरीय टास्क फोर्स की सह-अध्यक्षता करेंगे।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 18-19 सितंबर तक यूएई का दौरा करेंगे। इस यात्रा के दौरान वे अबू धाबी निवेश प्राधिकरण (एडीआईए) के प्रबंध निदेशक महामहिम शेख हमीद बिन जायद अल नाहयान के साथ निवेश पर आयोजित 13वें भारत-यूएई उच्च स्तरीय टास्क फोर्स (एचएलजेटीएफआई) की सह-अध्यक्षता करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि इस दौरान पीयूष गोयल भारत-यूएई सीईपीए की समीक्षा करेंगे और नए निवेश अवसरों की तलाश करेंगे। इसके अलावा वाणिज?य मंत्री यूएई के शीर्ष नेताओं और मुख?य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ बातचीत करेंगे। यूएई भारत के

सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक बना हुआ है। उनकी व्यापक रणनीतिक साझेदारी गहन राजनीतिक जुड़ाव, मजबूत आर्थिक एकीकरण और ऊर्जा, रक्षा, प्रौद्योगिकी और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर आधारित है।

गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का आईपीओ 22 सितंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 306-322 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 22 सितंबर 2025 को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए 24 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल?य दायरा (प्राइस बैंड) 306-322 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ 22 सितंबर को खुलकर 24 सितंबर को बंद होगा। एंकर (प्रमुख) निवेशकों के लिए बोली 19 सितंबर को खुलेगी। गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ के लिए मूल?य का दायरा 306 रुपये से 322 रुपये प्रति शेयर तय किया है। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स

लिमिटेड का 408 करोड़ रुपये का आईपीओ नए शेयरों की बिक्री और प्रवर्तकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस आईपीओ में 130 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जो 8,658,333 इक्विटी शेयरों के बिक्री प्रस्ताव का संयोजन है। कंपनी इस आईपीओ से प्राप्त होने वाली राशि में से 60 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज के पुनर्भुगतान के लिए करेगी, जबकि 45 करोड़ रुपये की राशि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में विनिर्माण इकाई की स्थापना में लगाएगी। इसके अलावा शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉरपोरेट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा। निवेशक न्यूनतम 46 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 46 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी एक एफएमसीजी कंपनी है, जिसका मुख्यालय पश्चिम बंगाल के कोलकाता में है। वित्त वर्ष 2024-25 में बेचे गए मूल्य के संदर्भ में यह पूर्वी भारत में पैकेज्ड होल व्हीट आटे (आटा) का तीसरा सबसे बड़ा और गेहूं-आधारित डेरिवेटिव (मैदा, सूजी, दलिया) का सबसे बड़ा ब्रांड है। कंपनी के प्रमुख उत्पाद गणेश ब्रांड के तहत बेचे जाते हैं, जो बाजार में इसकी प्राथमिक पहचान के रूप में कार्य करता है।

इंडिगो ने सुरक्षा मंजूरी के बाद अमिताभ कांत को अतिरिक्त निदेशक किया नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस ने अमिताभ कांत को 15 सितंबर से कंपनी के बोर्ड में अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया है। कंपनी ने नागर विमानन मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी मिलने के बाद उनकी नियुक्ति की है।

इंडिगो एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि कंपनी को नागरिक उड्डयन मंत्रालय से आवश्यक सुरक्षा मंजूरी मिल गई है। अमिताभ कांत की नियुक्ति 15 सितंबर से प्रभावी होगी।

कंपनी ने बताया कि कांत को नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) से सुरक्षा मंजूरी प्राप्त होने की तिथि से गैर-कार्यकारी गैर-स्वतंत्र निदेशक के रूप में अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया गया है। एयरलाइन इंडिगो ने 3 जुलाई को नीति आयोग के पूर्व मुख्य

कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत को बोर्ड में नियुक्त करने की घोषणा की थी। अमिताभ कांत को नीति निर्माण, आर्थिक योजना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का व्यापक अनुभव है, जो इंडिगो को भारतीय विमानन बाजार में अपनी रणनीतिक दिशा तय करने में अमूल्य साबित हो सकता है।

सेल ने मिजोरम की बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना के लिए 15 हजार मी. टन स्टील आपूर्ति की

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी इस्पात उत्पादक और महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने मिजोरम में 51 किलोमीटर लंबी बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना के लिए लगभग 15 हजार मीट्रिक टन (एमटी) उच्च-गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादों की आपूर्ति की है। पूर्वोत्तर भारत में रेलवे कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने वाले इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 सितंबर को किया था। इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि इस परियोजना के लिए सेल ने अपने भिलाई इस्पात संयंत्र से लगभग 10 हजार मीट्रिक टन उच्च-श्रेणी के आर-260 प्राइम रेल की आपूर्ति की है। इसके अलावा सेल ने अपने बोकारो, राउरकेला, भिलाई, दुर्गापुर और बर्नपुर इस्पात संयंत्रों से प्लेट, टीएमटी और स्ट्रक्चरल स्टील सहित लगभग 5,000 मीट्रिक टन अन्य आवश्यक इस्पात उत्पादों की आपूर्ति की है। मंत्रालय के मुताबिक सेल बुनियादी ढांचे, रेलवे, बिजली, जलविद्युत परियोजनाओं और सीमा संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्रों के लिए इस्पात की आपूर्ति करके पूर्वोत्तर भारत के विकास में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्पात मंत्रालय ने भारत की ऐतिहासिक बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं चिनाब रेलवे पुल, जिरीबाम-तुपुल-इम्फाल ब्रॉड गेज परियोजना, अटल सुरंग, बांद्रा-वर्ली सी लिंक, और ढोला सादिया एवं बोगीबील पुल आदि परियोजनाओं में भी स्टील की आपूर्ति करके योगदान दिया है।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 1.95 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद और अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों में नरमी आने के संकेतों के कारण बाजार का सेंटीमेंट आज मजबूत होता हुआ नजर आया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। पूरे दिन के कारोबार में खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही। इसके बावजूद शेयर बाजार लगातार मजबूती के साथ हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.38 प्रतिशत और निफ्टी 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सरकारी बैंकों के शेयरों में सबसे अधिक तेजी बनी रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मेटल, एफएमसीजी, फार्मास्यूटिकल और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब दो लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 464.82

लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.87 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.95 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,328 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,415 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,740 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 173 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,804 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,602 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 1,202 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 125.71 अंक की मजबूती के साथ 82,506.40 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खींचतान शुरू हो गई, जिसके कारण पूरे दिन इस सूचकांक की चाल ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 361.26 अंक की तेजी के साथ 82,741.95 अंक तक पहुंचने में सफल रहा?। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 82,490.47 अंक तक गोता भी लगाया। राहत की बात यही रही कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद ये सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 313.02 अंक की बढ़त के साथ 82,693.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आजमा कर देखें सेहत के लिए असरदार दवा है म्यूजिक थेरेपी

कल्पना कीजिए... सुबह-सुबह का समय... पक्षियों की चहचहाहट और हवा की मधुर सरसराहट के बीच आप भी बगीचे में ध्यान लगा रहे हैं, अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... निश्चित ही यह एक सुखद अहसास है। यकीनन यह संगीत की ताकत है। वैसे भी कहा गया है कि संगीत मधुरता के साथ भावनाएं व्यक्त करने का ऐसा माध्यम है, जो सीधा आत्मा को छूता है। संगीत को हमेशा से मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ा गया है। संगीत इंसान को खुश, दुखी या तनावपूर्ण बना सकता है। इसीलिए कोई आश्चर्य नहीं कि प्राचीन समय से संगीत को एक मरहम के रूप में प्रयुक्त किया गया है। यहां तक कि मेडिसिन के जनक कहे जाने वाले हिप्पोक्रेट्स भी विभिन्न बीमारियों में म्यूजिक थेरेपी का इस्तेमाल करते थे। समय के साथ विज्ञान और तकनीक का विकास हुआ और आज इंसान के पास इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं कि म्यूजिक एक असरदार दवा के रूप में काम कर सकता है। जानिए म्यूजिक थेरेपी के बारे में -

मैजिक ऑफ म्यूजिक

म्यूजिक वास्तव में विभिन्न वाइब्रेशन्स की सीरीज है, जो साउंड क्रिएट करते हैं। चूंकि शरीर इन वाइब्रेशन्स को ग्रहण करता है, इसलिए इससे कई शारीरिक बदलाव भी होते हैं। म्यूजिक के प्रकार पर निर्भर करते हुए ये बदलाव अच्छे या बुरे हो सकते हैं। जहां शांत संगीत तनाव घटाता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है, वहीं ज्यादा शोर वाला संगीत लोगों को गुस्सैल बनाता है और आत्महत्या वाले विचार पैदा करता है। हालांकि संगीत के शरीर पर होने वाले असर का अब तक अध्ययन जारी है।

बच्चों में अलर्ट रहने की आदत बढ़ी

संगीत के असर को समझने के लिए बेथ इजराइल मेडिकल सेंटर के लुईस आर्मस्ट्रॉन्ग सेंटर ऑफ म्यूजिक एंड मेडिसिन में एक रिसर्च की गई। इसमें 32 हफ्तों वाले 272 प्री-मैच्योर नवजात शिशुओं को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि इन नवजात शिशुओं को जब किसी भी रूप में संगीत (गाना या इंस्ट्रूमेंटल) सुनाया गया तो उनकी हार्ट रेट धीमी पड़ गई। इसमें भी गाने के बोल वाला संगीत ज्यादा असरदार रहा। इससे बच्चों के शांत, लेकिन अलर्ट रहने की आदत भी बढ़ी। इसी स्टडी के लेखक जोनन लोवी के मुताबिक, म्यूजिक थेरेपी से माता-पिता का तनाव भी कम हुआ है।

मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है संगीत

मनोवैज्ञानिक डेनियल जे. लेविटिन कहते हैं, कि आजकल शारीरिक बीमारियों के इलाज के लिए गाने, ध्वनि और लय का बेहतर उपयोग किया जाने लगा है। यह न केवल नवजात शिशुओं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है। डेनियल के अनुसार कि हमें इस बात के पुख्ता प्रमाण मिल चुके हैं कि ऑपरेशन थिएटर से लेकर फैमिली क्लीनिक तक में म्यूजिक हेल्थ-केयर की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने अपनी एक किताब में विस्तार से बताया है कि किसी तरह संगीत सेहत को प्रभावित करता है।

क्या है म्यूजिक थेरेपी?

जब कोई मान्यता प्राप्त म्यूजिक थेरेपिस्ट अपने विभिन्न प्रकार के म्यूजिक की मदद से इंसान को उसकी परेशानी या बीमारी से उबरने में सहायता करता है तो इसे म्यूजिक थेरेपी कहते हैं। म्यूजिक थेरेपिस्ट इस बात का गहरा जानकार होता है कि किस तरह संगीत लोगों में भावनात्मक प्रतिक्रियाएं पैदा कर उन्हें आराम और सुकून पहुंचा सकता है। म्यूजिक थेरेपिस्ट, इंसान की बीमारी के हिसाब से उस म्यूजिकल स्टाइल का पता लगाता है, जो मरीज को ध्यान की अवस्था में पहुंचा सके और उसके लिए फिजिकल रिहेब सेशन के रूप में काम कर सके। म्यूजिक थेरेपिस्ट पता लगा लेते हैं कि मरीज को किस तरह का म्यूजिक पसंद है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की मैग्जीन हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग में एक म्यूजिक थेरेपिस्ट हॉली चार्ट्रेड का जिक्र है। ये हार्वर्ड से संबद्ध मैसेचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में म्यूजिक थेरेपिस्ट हैं। उन्होंने सबसे पहले एक सिंगर को तैयार किया। वह एक महिला थी, जिसके मन में म्यूजिक की मदद से दूसरों की मदद करने का विचार आया और उसने म्यूजिक थेरेपिस्ट बनने का ठान लिया। वह कहती हैं कि मेरे काम का सबसे अच्छा पक्ष यह देखना है कि जो शख्स अच्छा महसूस नहीं कर रहा है, संगीत उसकी जिंदगी में कितना बड़ा असर डाल सकता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ होस्पाइस एंड पालिएटिव मेडिसिन मैग्जीन में लिखा है कि म्यूजिक थेरेपी से तनाव घटता है, मरीज रिलेक्स महसूस करता है, उसे दर्द से मुक्ति मिलती है, इमोशनल सपोर्ट मिलता है और अच्छा महसूस होता है। इस अध्ययन में 57 मरीजों और 53 परिजन को म्यूजिक थेरेपी दी गई थी। मरीजों ने बताया कि उन्हें तनाव और दर्द से मुक्ति मिली है। इस तरह म्यूजिक जिंदगी की गुणवत्ता तो बढ़ाता ही है, बीमारी और अन्य विकार से उबरने में भी सहायक है।

संगीत सुनने से एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए का बनना हो जाता है तेज

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि संगीत सुनने से शरीर में एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए (आईजीए) का बनना तेज हो जाता है। साथ ही मारक क्षमता रखने वाली सेल्स (कोशिका) बढ़ जाती है। इन सेल्स का काम विभिन्न वायरस के हमलों से रक्षा करना और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। इसके साथ ही म्यूजिक तनाव तो कम करता ही है। यही कारण है कि म्यूजिक का संबंध रिलेक्सेशन से है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2591

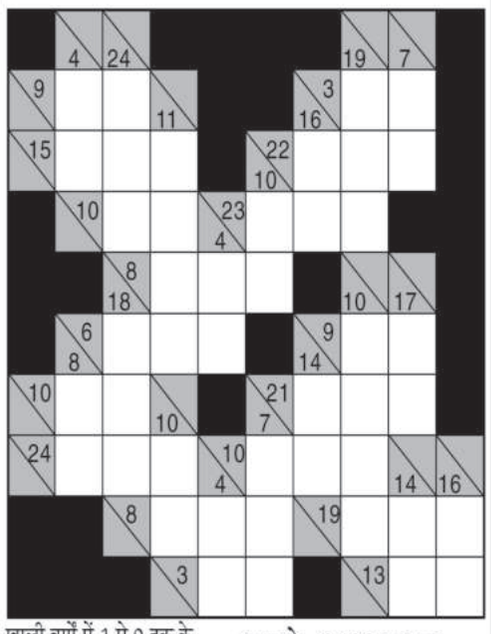

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

	1	2	3	4
1				
2				
3				

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2590 का हल

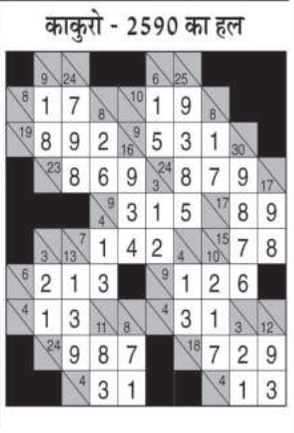

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नींद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से) - तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से) - मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से) - मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2591

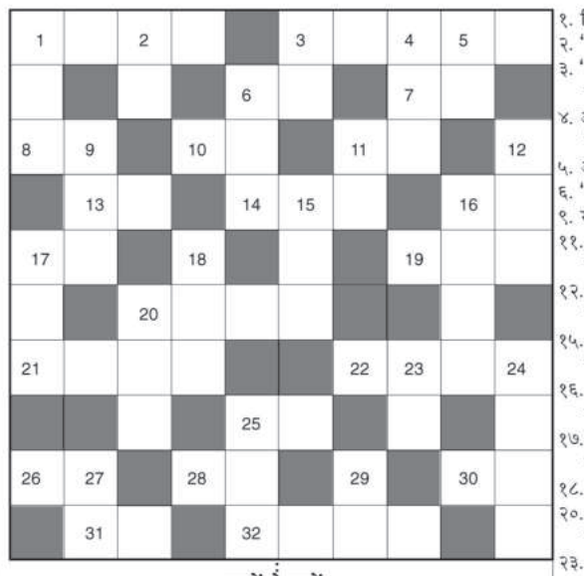

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, विपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2590

क्रि	मि	न	ल		प	र	व	रि	श
श		ती		डो	र		र		मा
	अ	जा	म		दे	व	दा	स	
का	श		ह	व	स		न	म	क
ला		ला	ल	च		अ		झौ	
पा	य	ल		न	सी	म		ता	ल
नी		कि	ला		आ	ला	प		ड़
	त	ला	श		ई		रि	ह्म	ई
तु	म			मं	डी		णी		
	ना		र	जू		गी	ता	बा	ली

सूडोकु -2591

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2590 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 2591

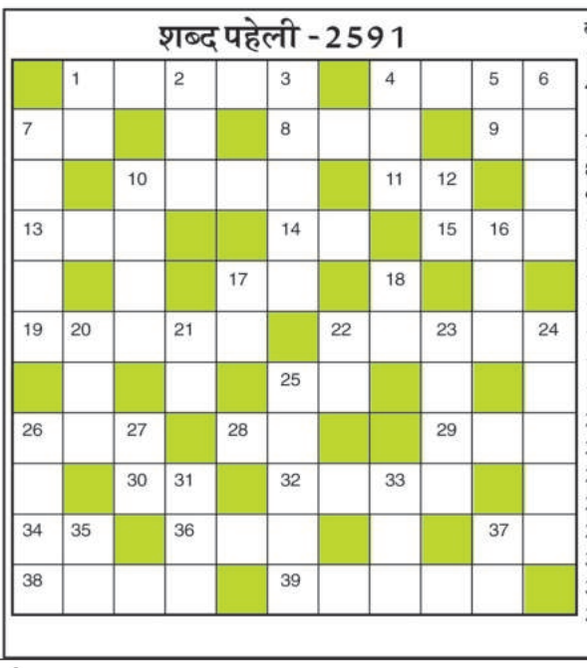

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूर्ण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2590 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न	
स			य		म		ह			ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			वा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		रा	ख	
	दा		का	म		च	प्पू		रा	
	व	जु		न	म	न		पा		मु
क	त	रा			ह्रा			ल	ल	क
ल		ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

इंदिरापुरम में आयोजित हुआ निगम का स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम

गाजियाबाद ।

नगर निगम द्वारा इंदिरापुरम स्वर्ण जयंती पार्क में स्वच्छता ही सेवा 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया, महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित रहकर स्वच्छता के प्रति जन-जन को जागरूक किया तथा निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों पर भी प्रकाश डाला गया, कार्यक्रम में पार्षदों सहित इंदिरापुरम क्षेत्र वासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा इंदिरापुरम में चल रहे कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की '

नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश द्वारा बताया गया कि नगर आयुक्त महोदय के निर्देश के क्रम में स्वच्छता महोत्सव कार्यक्रम इंदिरापुरम में आयोजित किया गया वहां के क्षेत्र वासियों से संपर्क करते हुए निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला गया तथा क्षेत्र वासियों द्वारा बताए गए संदर्भों पर भी चर्चा की मौके पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करने के लिए संबंधित टीम को निर्देश भी दिए गए जिसमें विशेष रूप से स्वर्ण जयंती पार्क के पास हो रहे नाला निर्माण के उपरांत कंस्ट्रक्शन मैटेरियल तत्काल उठाने के लिए निर्देशित किया गया, महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा कार्यक्रम के उपरांत क्षेत्र वासियों से आसपास की समस्याओं को जाना गया जिसमें सभी के द्वारा सेंट्रल वर्ज का निरीक्षण करने के लिए अपील की गई सेंट्रल वर्ज पर गंदगी की स्थिति को देखते हुए, महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा नाराजगी जाहिर करते हुए लिसा कंस्ट्रक्शन फर्म को तत्काल प्रभाव से हटाने तथा अभिलंब कार्यवाही करते हुए मुख्य सेंट्रल वर्ज को तुरंत साफ करने के निर्देश दिए।

क्षेत्र वासियों ने भी स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम में सहयोग किया पार्षदों तथा निगम अधिकारियों ने हाथ में झाड़ू लेकर सफाई अभियान चलाया तथा नाले के आसपास सफाई की ' महापौर द्वारा सभी उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई तथा शहर की स्वच्छता को बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है सभी को स्वच्छता में भागीदारी निभाने के लिए जागरूक किया गया कहीं भी गंदगी न फैलाने तथा गढ़ की फैलाने वालों की तत्काल रूप से शिकायत निगम को करने के लिए भी कहा गया।

नगर आयुक्त द्वारा उपस्थित जनों को इंदिरापुरम हैंडोवर के बाद निगम द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में चर्चा की गई जिसमें नालों का निर्माण, सड़कों का निर्माण, तथा हर घर से कूड़ा कलेक्शन का कार्य हो रहा है बताया गया, महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस की शुभकामनाएं भी क्षेत्रवासियों को दी तथा स्वच्छता में शहर के साथ-साथ देश को भी मजबूत करने के लिए भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील भी की गई '

केन्द्र सरकार व्यापार में सुगमता के लिए लाई जीएसटी, परन्तु अधिकारी इसके मूल उद्देश्य के विपरीत काम कर रहे : उच्च न्यायालय

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जीएसटी के एक मामले में टिप्पणी की कि केंद्र सरकार व्यापार करने में सुगमता के लिए जीएसटी (वस्तु और सेवा कर) लाई है, लेकिन राजस्व अधिकारी इसके मूल उद्देश्य के ही विपरीत काम करने पर तुले हैं।

सेफकॉन लाइफ साइंस की टैक्स याचिका को स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल ने कहा कि जब किसी करदाता द्वारा माल की वास्तविक आवाजाही साबित हो जाती है और संबंधित प्राधिकरण द्वारा इसका खंडन नहीं किया जाता है तो जीएसटी अधिनियम 2017 की धारा 74 के तहत कार्यवाही अनुचित है।

इस प्रावधान के तहत कार्यवाही तब शुरू की जा सकती है, जब किसी करदाता ने कर का भुगतान नहीं किया है या कम भुगतान किया है या गलत तरीके से वापसी ली है या धोखाधड़ी, जानबूझकर गलतबयानी या तथ्यों को छिपाकर इनपुट-टैक्स क्रेडिट का गलत लाभ उठाया है या उपयोग किया है।

कोर्ट ने कहा कि जब सरकार को यह पता चला कि अधिनियम की धारा 74 की आड़ में विभिन्न डीलरों को परेशान किया जा रहा है तो उसने 13 दिसम्बर 2023 को एक सर्कुलर जारी किया, जिसमें विशेष रूप से कहा गया था कि अधिनियम की धारा 74 के तहत कार्यवाही तभी शुरू की जा सकती है जब कर के भुगतान से बचने के लिए कोई धोखाधड़ी, जानबूझकर गलतबयानी या तथ्यों को छिपाया गया हो, अन्यथा नहीं।

सुनवाई के दौरान याची की ओर से कहा गया कि यूनिमैक्स फार्मा केम पुराना तालुका भिवंडी ठाणे के साथ कुछ लेनदेन किया गया, जिसके लिए चालान (इनवॉइस), ई-वे बिल और परिवहन बिल बनाए गए थे। सभी लेनदेन बैंकिंग चैनलों के माध्यम से हुए थे और दूसरी कंपनी द्वारा लेनदेन की घोषणा करते हुए टैक्स रिटर्न दाखिल किया गया था।

इसके बाद भी याची को जीएसटी अधिनियम की धारा 74 के तहत इनपुट-टैक्स क्रेडिट का गलत लाभ उठाने के लिए नोटिस इस आधार पर जारी किया गया कि दूसरी फर्म का पंजीकरण रद्द कर दिया गया था। याची ने विस्तृत जवाब दाखिल किया लेकिन उसे खारिज कर दिया गया था।

याची की अपील भी खारिज कर दी गई। याची की ओर से कहा गया कि सप्लायर के जीएसटीआर 3 बी में यह दशार्या गया है कि उसने याची के साथ हुए लेनदेन पर कर जमा किया था। दलील दी गई कि लेनदेन का समर्थन करने वाली सभी सामग्री संबंधित अधिकारियों के साथ कोर्ट में भी पेश की गई थी।

सुनवाई के बाद कोर्ट ने टिप्पणी की कि सभी दस्तावेज अधिकारियों के सामने पेश किए गए और सभी तर्कों को अधिकारियों ने नोट किया, लेकिन आदेश करते समय उन्हें कोई महत्व नहीं दिया गया।

सप्लायर और याची के जीएसटीआर 3 बी को लेनदेन दिखाते हुए रिकॉर्ड में लाया गया और विभाग ने इन्हें नकारा नहीं। याची और सप्लायर के बीच लेनदेन में कोई अनियमितता नहीं पाई गई जो प्राधिकरण के पास उपलब्ध सामग्री में दर्ज हो।

प्राधिकरण द्वारा भरोसा की गई सामग्री याची को प्रदान की जानी चाहिए थी।

नाबालिक से दुष्कर्म का फरार अभियुक्त गिरफ्तार

रायबरेली। पुलिस ने पास्को एक्ट के तहत फरार चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त की पहचान अजय कंजर के रूप में हुई है।मुखबिर खास से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। अजय कंजर पुत्र स्व. हजारी कंजर, ग्राम पालपुर पानी की टंकी, थाना जगदीशपुर, जनपद अमेठी का निवासी है।

ड्रोन के जरिए यमुना नदी किनारे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कीटनाशकों का छिड़काव, डेंगू-मलेरिया के खतरे से निपटने के लिए पहल"

मनीषा

दिव्य दिल्ली : दिल्ली, गीता कॉलोनी यमुना पुल के पास डॉल्फिन फैसिलिटी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड" द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल के तहत यमुना नदी के किनारे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशकों का छिड़काव किया गया। इस अभियान का उद्घाटन दिल्ली के अध्यक्ष राजा इकबाल सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर और हरी झंडी दिखाकर किया गया। अध्यक्ष राजा इकबाल सिंह ने इस अवसर पर कहा, "यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण आस-पास के कई क्षेत्रों में पानी जमा हो

गया है, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इस समस्या से निपटने के लिए हम ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं, ताकि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कीटनाशकों का छिड़काव किया जा सके और संक्रमण के जोखिम को कम किया जा सके।"उन्होंने आगे कहा, "यमुना का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली के कई इलाकों में पानी इकट्ठा हो गया है। हमारी टीम ड्रोन के माध्यम से पूरे शहर में कीटनाशकों का छिड़काव करेगी, ताकि बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। यह कदम शहरवासियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।"यह पहल दिल्ली सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

भगवान विश्वकर्मा का पूजा-विधान, भव्य आयोजन

डलमऊ रायबरेली। बप्पा देवतादीन अग्रहरि इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा विधिपूर्वक और धूमधाम से आयोजित की गई। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक रामनिवास वैश्य, राजेंद्र वैश्य, डायरेक्टर सुमन गुप्ता, सरला वैश्य, प्रबंधक शक्तिमान वैश्य, प्रशिक्षक बीबी सिंह, महेंद्र सिंह, शैलेन्द्र कुमार, रामबिहारी बाजपेयी, उदयभान सिंह और छात्रों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूजा समारोह की शुरूआत भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित करके की गई। पूजा विधि के दौरान मंत्रोच्चार और विशेष पूजा अर्चना की गई,

जिसमें संस्थान के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अपने-अपने कामकाजी उपकरणों का पूजन किया। साथ ही, पूजा के इस पवित्र अवसर पर संस्थान के संस्थापक रामनिवास वैश्य ने कहा, भगवान विश्वकर्मा का पूजन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके आशीर्वाद से हम अपने कार्य में सफलता की ओर अग्रसर होते हैं। वहीं, डायरेक्टर सुमन गुप्ता ने भी भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से संस्थान के सभी छात्रों और कर्मचारियों की समृद्धि की कामना की। राजेंद्र वैश्य और सरला वैश्य ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए और भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से सभी को निरंतर सफलता और समृद्धि की प्राप्ति की शुभकामनाएं दी।

पूजन के बाद, प्रसाद वितरण किया गया और सभी ने मिलकर इस पवित्र अवसर को सामूहिक रूप से मनाया। इस आयोजन के जरिए, बप्पा देवतादीन अग्रहरि इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ने समाज में तकनीकी शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देने के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का भी पालन किया।

डंपर ने कुचला, अधेड़ की मौत, चाय पीकर घर लौट रहे थे मुन्ना मिश्रा, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

रायबरेली/सरेनी। थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में 55 वर्षीय मुन्ना मिश्रा की मौत हो गई। चन्द्रमणीखेड़ा गांव के मुन्ना मिश्रा चौराहे पर चाय पीकर घर लौट रहे थे।

सुबह करीब 8 बजे ऊंचगांव से आ रहा गिट्टियों से लदा डंपर अनियंत्रित होकर मुन्ना मिश्रा से टकरा गया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

खबर फैलते ही सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने सड़क

जाम कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर रोज तेज रफ्तार डंपर और ट्रक चलते हैं। उन्होंने चालक की गिरफ्तारी और भारी वाहनों पर रोक की मांग की है।

भोजपुर चौकी और सरेनी कोतवाली पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और डंपर को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया। गांव में शोक की लहर है। मृतक के परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर प्रशासन पहले ही तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई करता तो यह हादसा टल सकता था।

युवक ने अस्पताल के एक्स-रे कर्मचारियों पर लगाए गंभीर आरोप, वीडियो हुआ वायरल

बछरावां रायबरेली। आए दिन अपने नए नित कारनामों से चर्चा में बना रहने वाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां एक बार फिर अपने कर्मचारियों की कामचोरी एवं अवैध वसूली के कारण बदनाम होता नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार आपको बताते चले की क्षेत्र के एक युवक अंकुर निवासी पश्चिमगाँव ने वीडियो व फोटो वायरल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां के एक्सरे रूम में तैनात कर्मचारियों के

ऊपर गंभीर आरोप लगाए है।

उक्त युवक के द्वारा बताया गया कि वह अपने गांव के कुछ वृद्ध जनों को लेकर दिनांक 12 सितंबर 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां इलाज कराने पहुंचा। उक्त लोगों को पैर व सीने से संबंधित समस्याएं थी। जिसमें एक मरीज के रूप में मेरी माता जी भी थी। पर्चा बनवाने के पश्चात ओपीडी कक्ष में मौजूद डॉक्टर प्रभात मिश्रा के द्वारा उक्त लोगों का उपचार करने के पश्चात डॉक्टर के उन्हे द्वारा एक्सरे के लिए पर्चे पर लिखा गया। जब मैं एक्सरे रूम कक्ष पर पहुंचा तो वहां पर तैनात तीन कर्मचारी जो मोबाइल चलाने में व्यस्त थे। मैंने उनसे एक्सरे करने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि अभी समय नहीं है, घंटे डेढ़ घंटे बाद आना।

मैंने कई बार उनसे निवेदन किया, पर वह नहीं माने और मोबाइल चलाने में व्यस्त रहे। साथ ही साथ उनके द्वारा यह भी कहा गया अगर ज्यादा जल्दी है तो बाहर जाकर पैसे देकर करवा लो। जब मैं कई विनती करके थक हार गया तो मोबाइल चलाने के दौरान मैंने उनका फोटो खींच लिया।

घंटे डेढ़ घंटे बाद जब मैं फिर से सभी मरीजों को लेकर एक्सरे रूम पर पहुंचा गो वहां काफी भीड़ मौजूद हो चुकी थी। अतः उक्त कर्मचारियों की कार्यशैली से आहत होकर मैंने वीडियो और फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल कर दी।

हिन्दी में निर्णय देने के लिए अधिवक्ता ही मेरे प्रेरणा स्रोत : न्यायमूर्ति डॉ गौतम चौधरी

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद एवं भारतीय भाषा अभियान, काशी प्रान्त, उच्च न्यायालय इकाई के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक लाइब्रेरी हाल में हिन्दी दिवस पखवाड़ा के तहत गुरुवार को न्यायपालिका में हिन्दी की उपयोगिता और महत्व विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अजीत कुमार, विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति डॉ शेखर कुमार यादव, न्यायमूर्ति डॉ गौतम चौधरी, न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव, न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता, अपर महाधिवक्ता महेश चन्द्र चतुर्वेदी, मुख्य स्थाई अधिवक्ता शीतला प्रसाद गौड़ उपस्थित रहे। अध्यक्षता हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पाण्डे एवं संचालन महासचिव अखिलेश कुमार शर्मा ने किया।

मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति डॉ गौतम चौधरी ने कहा कि हिन्दी में निर्णय देने के लिए अधिवक्ता ही मेरे प्रेरणा स्रोत रहे हैं। जिनकी प्रेरणा के कारण ही 27 हजार निर्णय हिन्दी में ही दिए हैं।

मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायमूर्ति डॉ डी वाई चन्द्रचूड की पहल थी कि प्रदेशीय भाषा में उच्चतम न्यायालय के भी निर्णयों का अनुवाद होना चाहिए और जनता को उन्हीं की भाषा में निर्णय उपलब्ध होना चाहिए। मेरा यह प्रयास है कि हिन्दी भाषी राज्यों के उच्च न्यायालयों में हिन्दी में ही निर्णय पारित हो।

न्यायमूर्ति डॉ शेखर कुमार यादव ने कहा कि हिन्दी हमारी राष्ट्रीयता का प्रतीक एवं हमारी संस्कृति की पहचान है। हिन्दी जैसी सुमधुर और प्यारी भाषा दुनिया में और कोई हो ही नहीं सकती। हिन्दी भाषा का कोई विकल्प नहीं है।

न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि हिन्दी को आगे बढ़ाने में भारतीय भाषा अभियान का बहुत बड़ा योगदान है। आज मैंने छह आदेश एवं एक निर्णय हिन्दी में ही दिए। भविष्य में भी यहाँ पर उपस्थित न्यायमूर्ति की ही नकल करने की कोशिश करते हुए हिन्दी में निर्णय करूंगा।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के उपाध्यक्ष अमित कुमार सिंह सोनू ने कहा कि न्यायालय मात्र कानून का घर नहीं, विश्वास का घर भी है। विश्वास तब गहराता है जब न्याय की भाषा, जनता की भाषा से मिलती हो। हमारे संविधान इसी सामंजस्य का मार्ग दिखाया। हिन्दी को राजभाषा का सम्मान दिया, पर साथ ही सभी भारतीय भाषाओं की गरिमा सुरक्षित रखती है।प्रसिद्ध कवि डॉ श्लेष गौतम ने हिन्दी पर अपनी कविता से कार्यक्रम में उपस्थित सभी का मन मोह लिया। प्रतिभा दीक्षित एवं अजय मिश्र द्वारा कविता पाठ किया गया।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पाण्डे ने कहा कि हम लोग व्यवसायिक भाषा का ही प्रयोग करते हैं, लेकिन हमारे अंदर हिन्दी में विचार आने चाहिए। निचली अदालतों में हिन्दी में निर्णय आते है तो हमारे लिए मातृभाषा हिन्दी में कार्य करना कोई मुश्किल नहीं है। अजय कुमार मिश्र पूर्व उपाध्यक्ष एवं संयोजक भारतीय भाषा अभियान, काशी प्रान्त ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान हिंदी में कार्य करने वाले अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कमलेश कुमार द्विवेदी अमित कुमार सिंह, विवेक मिश्र, राज कुमार त्रिपाठी, हनुमान प्रसाद मिश्र, दिनेश वरूण, बैरिस्टर सिंह, शशि कुमार द्विवेदी, रामेश्वर दत्त पाण्डेय, बिन्दु कुमारी, अंजनी कुमार मिश्र, अंजली सिंह तोमर, कनक कुमार त्रिपाठी, दिवांशु तिवारी, बलदेव शुक्ल, अभिषेक तिवारी, तृप्ति यादव, आरती गुप्ता, अखण्ड प्रताप त्रिपाठी, गया प्रसाद मिश्र, गिरीश चन्द्र शुक्ला, अनिरूद्ध सिंह, अवनीश चन्द्र त्रिपाठी, कृष्ण मोहन पाण्डेय, आदित्य घर द्विवेदी एवं अमित सिंह सेंगर, पी के राव, सतेन्द्र कुमार त्रिपाठी, अजय कुमार मिश्र, एस पी शुक्ला, अमित जौनपुरी, नीलम शुक्ला उपस्थित रहे। इस आशय की जानकारी संयुक्त सचिव प्रेस रामेश्वर दत्त पाण्डेय ने दी।

पेडियाट्रिक वेलफेयर सोसायटी गाजियाबाद द्वारा "पीडिया -क्वेस्ट 2025" का समापन

गाजियाबाद। डायमंड प्लेस गाजियाबाद पर पेडियाट्रिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित पीडी या क्वेस्ट 2025 का समापन सफलता पूर्वक किया गया। जिसमें लगभग 200 बाल रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसमें 10 विषयों पर व्याख्यान हुए तथा विभिन्न विषयों पर नई-नई जानकारियां डिसकस हुई जिसमें मुख्य रूप से दंत स्वास्थ्य पर बच्चों में क्या जानना आवश्यक है विषय पर चर्चा हुई तथा सामान्य नेत्र स्वास्थ्य के ऊपर चर्चा करते हुए डॉक्टर सोनाली गुप्ता ने डिस्कशन किया। बच्चों में सर दर्द के विषय पर गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर प्रवीण कुमार ने चर्चा की । हेक्सा वैक्सीन की अपडेट देते हुए डॉक्टर आशीष प्रकाश ने वैक्सीन के महत्व को समझाया ।एंडोक्राइन पर थायराइड के संबंध में डॉक्टर अंजु वीरिमानी ने चर्चा की ।हेमेचुरिया पर डॉक्टर पंकज ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा बच्चों में एसिडिटी पर डॉक्टर विद्युत भाटिया मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कांफ्रेंस से मुख्य बिंदू-जंकफूड से दांतों की हाइजीन पर फर्क पड़ रहा है तथा दांतों में कैरिज बढ़ रहे हैं ।अधिक स्क्रीन टाइम होने के कारण नेत्र स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है ।

पूरी नींद ना हो पाने एवं तनाव के कारण बच्चे सर दर्द की शिकायत करते हैं ,बाजार से निर्मित खाना-पीना, कम खेलना और तनाव तीनों से थायराइड प्रभावित होता है ।अतः बच्चों में की ग्रोथ एवं थायराइड हार्मोन भी प्रभावित हो रहा है इस अवसर पर शहर के गणमान्य बाल रोग चिकित्सक उपस्थित रहे जिनमें डॉक्टर पंकज डॉक्टर रितेश कमल डॉक्टर संदीप डॉक्टर प्रमोद सभरवाल इत्यादियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया इस अवसर पर पैटर्न डॉक्टर के के खन्ना डॉक्टर पंकज गर्ग उपस्थित रहै।

भारत सरकार से आई पशुपालन टीम ने गाजियाबाद में बन रहे ए बी सी सेंटर का लिया जाएजा

गाजियाबाद । नगर निगम में चल रहे एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर का श्री मुथुकुमारासामी बी. कअर जॉइंट सेक्रेटरी पशुपालन विभाग भारत सरकार द्वारा जायजा लिया गया मौके पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित अन्य अधिकारी व टीम भी उपस्थित रही, नंदी पार्क स्थित एबीसी सेंटर पर श्वान स्टेरलाइजेशन के लिए चल रहे कार्यों में रिपोर्ट को देखा गया इसके अलावा श्वान के शव दहा गृह कभी निरीक्षण किया गया जिसकी संपूर्ण जानकारी डॉक्टर अनुज उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी द्वारा दी गई। मौके पर डॉक्टर की टीम से भी वार्ता करते हुए जानकारी ली गई, नए बस अड्डे पर स्थित दूसरे एनिमल बस कंट्रोल सेंटर का भी निरीक्षण किया गया जहां पर श्वान के स्टेरलाइजेशन के लिए चल रही तैयारी को देखा गया तथा दवाइयां व अन्य उपकरणों की भी जानकारी ली गई

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम श्वान स्टेरलाइजेशन, रेबीज की टीकाकरण तथा माइक्रोचिप लगाने की कार्यवाही को रफ्तार से कर रहा है, जिसकी प्रेजेंटेशन भारत सरकार से आई टीम के सामने दी गई जिसमें वरिष्ठ अधिकारी श्री मुथुकुमारासामी बी. कअर जॉइंट सेक्रेटरी पशुपालन विभाग भारत सरकार द्वारा फीडिंग पॉइंट को शहर में जल्द बनवाने, तथा शेल्टर होम की स्थापना हेतु तेजी से कार्यवाही करने की निर्देश दिए गए तथा आवश्यक सुझाव भी दिए गए, अहइक से डॉ एस के दत्ता भी मौके पर उपस्थित रहे।

संबंधित अधिकारियों द्वारा चल रहे कार्यों की प्रेजेंटेशन दी गई माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश के क्रम में गाजियाबाद नगर निगम तेजी से कार्य शहर वासियों के हित में करे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा टीम को मोटिवेट किया गया, साथ ही जन जागरूकता अभियान चलने के लिए भी विशेष निर्देश दिए गए ।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321